दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K & K

RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-155 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) मंगलवार 28 जुलाई 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

संसद सत्रः छात्रों के मुद्दे पर विपक्ष का हंगामा, लोक परीक्षा बिल पारित कराने की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली,(आरएनएस)। जंतर-मंतर पर छात्रों का आंदोलन समाप्त होने के बावजूद सोमवार को संसद में हंगामा कायम रहा. विपक्ष छात्रों पर दर्ज एफआईआर वापस लेने और लाठीचार्ज के मुद्दे पर गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग पर अड़ा हुआ है. वहीं, सरकार एंटी पेपर लीक बिल (लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026) पर चर्चा कराना चाहती है।

इस मुद्दे पर बोलते हुए समाजवादी पार्टी के सांसद आनंद भदौरिया ने कहा, अच्छी बात है कि सरकार ने छात्रों से कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में बात की, उनकी मांगें मानीं और इस्तीफा लिया. लेकिन अभी भी बिहार में छात्रों पर एफआईआर दर्ज हो रहे हैं और लाठीचार्ज हो रहा है. क्या इस पर गृह मंत्री अमित शाह जी संसद में बयान नहीं दे सकते? उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी एकमात्र मांग है कि अमित शाह संसद में आकर जवाब दें, उसके बाद बिल पर चर्चा शुरू हो

जाएगी।

केंद्र सरकार ने विपक्ष से नए सार्वजनिक परीक्षा विधेयक पर चर्चा में भाग लेने की अपील की है. विपक्षी दलों ने लोक परीक्षा विधेयक पर 93 संशोधन भेजे हैं. सरकारी सूत्रों के अनुसार, सरकार सदन में बिल पारित कराने की तैयारी में है.

इसी मुद्दे पर भाजपा के राज्यसभा सांसद गुलाम अली खटाना ने कहा, छात्र अपना आंदोलन खत्म कर चुके हैं, फिर भी विपक्ष को संसद नहीं चलने देने का कुछ न कुछ बहाना चाहिए. लोकसभा में इतना महत्वपूर्ण बिल, जिसकी मांग खुद विपक्ष करता रहा, नया लोक परीक्षा विधेयक सरकार लेकर आई, बावजूद इसके विपक्ष हंगामा कर रहा है।

उन्होंने कहा कि आज राज्यसभा में वंदे मातरम् बिल पर चर्चा शुरू होनी थी, मगर इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने हंगामा कर संसद को चलने नहीं दिया. यह मानसून सत्र का दूसरा हफ्ता है, पहला हफ्ता हंगामे भी भेंट चढ़ चुका है. सरकार और जनता के टैक्स के पैसे बर्बाद हो रहे हैं, फिर क्यों नहीं विपक्ष संसद चलने दे रहा है? बिहार से सांसद संजय झा ने आरोप लगाया, विपक्ष को छात्रों के आंदोलन से कोई मतलब ही नहीं था. वो तो अपनी राजनीतिक रोटियां सेंक रहे थे, वो भी छात्रों की आड़ में. सरकार की ओर से मांगें मानने के बाद छात्र अब वापस चले गए, मगर विपक्ष उन्हें दोबारा उकसा रहा है।

नई दिल्ली में संसद के मॉनसून सत्र के दौरान विपक्षी सांसदों ने केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

अंकित शर्मा की हत्या केसः दोषी ताहिर हुसैन को फांसी की सजा की मांग, 31 जुलाई को फैसला

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली की कड़कड़डूमा कोर्ट ने 2020 में दिल्ली दंगों के दौरान आईबी अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या के मामले में दोषी करार दिए गए ताहिर हुसैन समेत पांच लोगों की सजा की अवधि पर फैसला सुरक्षित रख लिया है. सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस ने ताहिर हुसैन समेत पांच आरोपियों की फांसी की सजा की मांग की. एडिशनल सेशंस जज प्रवीण सिंह ने सजा की अवधि पर 31 जुलाई को फैसला सुनाने का आदेश दिया।

कोर्ट ने 13 जुलाई को पाचों को दोषी करार देते हुए इस मामले के छह आरोपियों को बरी करने का आदेश दिया था. कोर्ट ने इस मामले में ताहिर हुसैन के अलावा जिन आरोपियों को दोषी करार दिया था उनमें नाजिम, कासिम, अनस और जावेद शामिल हैं. कोर्ट ने जिन आरोपियों को बरी करने का आदेश दिया उनमें हसीन ऊर्फ मुल्लाजी ऊर्फ सलमान, समीर खान, फिरोज, गुल्फाम, शोएब आलम ऊर्फ बॉबी और मुंतजिम ऊर्फ मुसा शामिल हैं।

मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना में 82.70 लाख से अधिक किसानों को 3308 करोड़ रुपए अंतरित

मुख्यमंत्री ने जैविक, हाईटेक खेती और खाद्य प्रसंस्करण के लिए किसानों को किया सम्मानित

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को प्रदेश के किसानों को बड़ी सौगात दी। मुख्यमंत्री ने खंडवा जिला मुख्यालय में हुये बलराम कृषि महोत्सव में प्रदेश के 82 लाख 70 हजार से अधिक किसानों के खातों में मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना अंतर्गत 3308 करोड़ रुपए सिंगल क्लिक से अंतरित किये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम स्थल पर लगाई गई उन्नत कृषि पर केंद्रित कृषि प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने, खेती-किसानी को लाभदायी बनाने और कृषि को आधुनिक स्वरूप देने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि बलराम कृषि महोत्सव केवल एक

आयोजन न होकर किसानों को नई तकनीक, वैज्ञानिक खेती और समृद्ध भविष्य से जोड़ने का व्यापक अभियान है। यह किसानों का अपना कार्यक्रम है, किसान इसका अधिक से अधिक लाभ उठाकर अपनी खेती को नई ऊंचाइयों तक ले जाएं।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि खंडवा की बात ही अलग है। अतीत का खानदेश अब कई खासियतों के लिए मशहूर है। यहाँ की काली मिट्टी फसलों के लिए सोने जैसी है। इसीलिए यहां की फसलें भी सोने के भाव बिकती हैं। खंडवा जिले के हर खंड में किसानों की मेहनत से खुशहाली है। बात खेती-किसानी की हो, या जल और पर्यावरण बचाने की, खंडवा हर मामले में अव्वल है। यहां के परिश्रमी किसानों ने अपनी उद्यमशीलता और नवाचारों से पूरे देश और प्रदेश में खेती का एक अलग ही स्टैंडर्ड मॉडल सेट किया है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों से अनुरोध करते हुए कहा कि बलराम कृषि महोत्सव आपका अपना महोत्सव है। इसमें बढ़ चढ़कर हिस्सा लें। उन्होंने कहा कि परम्परागत खेती अब गुज़रे ज़माने की बात हो गई है। अब आधुनिक और उन्नत खेती का दौर है। किसान बंधु अपने खेत की मिट्टी की जांच करायें। मिट्टी की उत्पादकता के अनुसार ही फसल लें। बहुत अधिक रायायनिक उर्वरकों का उपयोग करने से बचें, जितनी जल्दी हो सके, प्राकृतिक और जैविक खेती की ओर बढ़ें।

जंतर-मंतर छात्र प्रदर्शनः पैलेट गन के इस्तेमाल की पुष्टि, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने शुरू की जांच

-20 जुलाई को संसद कूच के दौरान रैपिड एक्शन फोर्स के जवान ने चलाई थीं सात गोलियां, तीन घायल अस्पताल में भर्ती हुए थे

नई दिल्ली,(आरएनएस)। राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर 20 जुलाई को प्रदर्शन कर रहे छात्रों के संसद कूच के दौरान लाठीचार्ज और आंसू गैस के साथ पैलेट गन के इस्तेमाल की भी पुष्टि हो गई है। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की आंतरिक जांच में सामने आया है कि कनॉट प्लेस में तैनात उसकी रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) के एक जवान ने भीड़ नियंत्रण के दौरान पैलेट गन से सात गोलियां चलाई थीं।रिपोर्ट के अनुसार, चलाई गई सात गोलियों में से पांच प्रदर्शनकारियों को लगीं, जबकि दो गोलियां जमीन पर गिरीं। इस घटना के बाद केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने रैपिड एक्शन फोर्स के जवानों द्वारा पैलेट गन के इस्तेमाल की जांच शुरू की थी, जिसमें यह तथ्य सामने आया है। पैलेट गन के इस्तेमाल से घायल तीन लोगों का अस्पताल में उपचार कराया गया।

इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल योजना से मेरा कोई संबंध नहीं : नितिन गडकरी

-डीपफेक वीडियो और भ्रामक डिजिटल सामग्री के खिलाफ बॉम्बे हाई कोर्ट पहुंचे केंद्रीय मंत्री

मुंबई,(आरएनएस)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बॉम्बे हाई कोर्ट में दायर अपनी याचिका में स्पष्ट किया है कि पेट्रोल में इथेनॉल मिलाने की सरकारी योजना से उनका कोई व्यक्तिगत या आधिकारिक संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल कार्यक्रम और ई-20 पहल से जुड़े किसी भी निर्णय, नीति निर्माण या संचालन प्रक्रिया में उनकी कोई भूमिका नहीं है।

गडकरी ने यह याचिका कथित रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से तैयार किए गए डीपफेक वीडियो और छेड़छाड़ की गई डिजिटल सामग्री के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग को लेकर दायर की है। उनका आरोप है कि कुछ डिजिटल माध्यमों पर उनके और उनके परिवार को इथेनॉल योजनाओं से गलत तरीके से जोड़कर भ्रामक जानकारी प्रसारित की गई, जिससे उनकी सार्वजनिक छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया गया।

गडकरी ने अपनी याचिका में कहा है कि इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल कार्यक्रम और ई-20 पहल का संचालन केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा किया जाता है। इन योजनाओं से संबंधित नीतिगत निर्णय, प्रक्रिया और कार्यान्वयन में उनका कोई दखल नहीं है।

उन्होंने अदालत से मांग की है कि उनके खिलाफ गलत जानकारी फैलाने वाली सामग्री को हटाने के निर्देश दिए जाएं और ऐसी सामग्री के प्रसार पर रोक लगाई जाए।

रिपोर्ट के अनुसार, बॉम्बे हाई कोर्ट ने नितिन गडकरी को मेटा, एक्स कॉर्प और गूगल एलएलसी सहित कई डिजिटल मंचों के खिलाफ दीवानी मुकदमा दायर करने की अनुमति दे दी है।

दुबई से मुंबई आ रही इंडिगो उड़ान के कार्गो होल्ड में धुआं, राजकोट में आपातकालीन लैंडिंग

राजकोट(आरएनएस)। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के दुबई से महाराष्ट्र के मुंबई आ रही इंडिगो की एक उड़ान में सोमवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब विमान को आपातकालीन परिस्थिति में गुजरात के राजकोट में उतारा गया। दरअसल, विमान के चालक दल के सदस्यों ने कार्गो होल्ड में धुआं देखा और उसके बाद राजकोट अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग की। राजकोट पुलिस आयुक्त ने बताया कि सभी यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया है। विमान की जांच की जा रही है।

इंडिगो की उड़ान 6ई-1452 दुबई से मुंबई आ रही थी। तभी चालक दल के सदस्यों ने सामान रखने वाले कार्गो होल्ड में धुआं देखकर आग लगने की आशंका जताई।इसके बाद पायलट ने राजकोट एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) से संपर्क किया और आपातकालीन लैंडिंग का अनुरोध किया, जिसे स्वीकार करने के बाद विमान उतारा गया।घटना के समय विमान में 194 यात्री सवार थे। सभी सुरक्षित बताए जा रहे हैं। उनको दूसरी विमान से मुंबई पहुंचाया जाएगा।

अस्पताल से डिस्चार्ज हुए सोनम वांगचुक, राजघाट जाकर बापू को दी श्रद्धांजलि; बोले-जनता के साथ से आंदोलन सफल हुआ

नई दिल्ली (आरएनएस)। लंबे इलाज और स्वास्थ्य लाभ के बाद सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को सोमवार को अस्पताल से छुट्टी मिल गई. अस्पताल से बाहर आने के बाद उन्होंने कहा कि अब तबीयत पहले से काफी बेहतर है और वह धीरे-धीरे सामान्य भोजन कर रहा हूं. अस्पताल से निकलने के बाद सबसे पहले राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी. सोनम वांगचुक ने देशभर के लोगों का आभार जताते हुए कहा कि सभी के सहयोग और एकजुटता की बदौलत कॉकरोच जनता पार्टी का आंदोलन सफल हुआ और आगे भी जनता के मुद्दों पर इसी तरह आवाज उठती रहेगी.

एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने कहा, बहुत-बहुत धन्यवाद. 26 दिन के अनशन और इस आंदोलन के अंत पर मैं सबसे पहले बापू को याद करने के लिए राजघाट आना चाहता था. मैं देश को बताना चाहता था कि उनका बताया गया रास्ता आज भी उतना ही उपयुक्त है जितना 100 साल पहले थे... मेरी समझ है कि ये तरीके जनता के दिल तक संदेश पहुंचाते हैं... इस बार मुझे यह तसल्ली हुई कि यह देश के स्तर पर प्रासंगिक है. मैं लोगों से कहता हूं कि वे बापू द्वारा शांति के मार्ग पर चलकर ही अपनी बात रखें... मैं सभी नागरिकों को बधाई देता हूं...

अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद सोनम वांगचुक ने कहा कि आखिर वह दिन आ गया जब अस्पताल से छुट्टी मिल रही है. उन्होंने बताया कि अब सेहत पहले से बेहतर है शरीर में भी धीरे-धीरे ताकत लौट रही है और स्वास्थ्य में लगातार सुधार हो रहा है. बता दे की जंतरमतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन में पिछले 23 दिनों से आमरण अनशन पर बैठे थे।

मद्रास हाई कोर्ट ने करूर भगदड़ पीड़ितों के परिवारों को नौकरी देने वाला आदेश किया रद्द

चेन्नई (आरएनएस)। तमिलनाडु की मद्रास हाई कोर्ट से सोमवार को मुख्यमंत्री विजय की सरकार को करारा झटका लगा है। कोर्ट की मदुरै पीठ ने पिछले साल करूर भगदड़ में जान गंवाने वाले पीड़ितों के परिवारों को सरकारी नौकरी देने वाले आदेश को रद्द कर दिया है। न्यायमूर्ति सीवी कार्तिकेयन और न्यायमूर्ति आर शक्तिवेल की खंडपीठ ने कहा कि यह नियुक्ति अनुच्छेद 14 और 16 का उल्लंघन है। पीठ ने नियुक्तियों को चुनौती देने वाली जनहित याचिकाओं के समूह का निपटारा भी किया।

कोर्ट ने कहा कि प्रत्येक सरकारी विभाग में अनुकंपा नियुक्ति की अनेक लोग प्रतीक्षा कर रहे हैं और उनकी जरूरतों को नजरअंदाज करते हुए इस मामले में परिवारों को रोजगार देना उचित नहीं।कोर्ट ने कहा कि राज्य ने संविधान के अनुच्छेद-162 के तहत अपनी प्रशासनिक शक्तियों का प्रयोग करते हुए आदेश पारित करने का दावा किया है, लेकिन ऐसी शक्तियों का प्रयोग संवैधानिक सीमाओं के भीतर होना चाहिए।कोर्ट ने कहा, अगर कार्यकारी कार्रवाई अनियंत्रित हो तो अराजकता फैलेगी। कोर्ट ने कहा कि अगर ऐसे मामले में अनुकंपा नियुक्ति की अनुमति दी जाती है, तो इससे अन्य लोगों के लिए भी इस तरह की नौकरी पाने का रास्ता खुल जाएगा।

1993 मुंबई सीरियल ब्लास्ट मामले में अबू सलेम की सजा में राहत, रिहाई की मांग पर सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई

नईदिल्ली,(आरएनएस)। 1993 के मुंबई सीरियल ब्लास्ट मामले में गैंगस्टर अबू सलेम की सजा और जेल से रिहाई से जुड़ी याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। अबू सलेम की ओर से अदालत में अपनी सजा में राहत देने और जेल से रिहा किए जाने की मांग रखी गई है। मामले की सुनवाई जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने की।

सुनवाई के दौरान अबू सलेम की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता ऋषि मल्होत्रा अदालत में पेश हुए। उन्होंने अपनी दलीलों के दौरान बॉम्बे हाईकोर्ट के एक फैसले का हवाला दिया और यह बताने की कोशिश की कि सजा की अवधि को किस तरह से गिना जाना चाहिए। वकील की दलील सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने सजा की अवधि को लेकर सीधा सवाल किया।

कोर्ट ने पूछा कि आखिर अबू सलेम ने 25 साल की सजा किस तरह पूरी कर ली है। अदालत ने साफ किया कि वह सिर्फ यह समझना चाहती है कि 25 साल की अवधि की गणना किस आधार पर की जा रही है। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में फिलहाल सवाल सजा की अवधि के गणितीय हिसाब को लेकर है।

सुनवाई के दौरान अबू सलेम के वकील ने सुप्रीम कोर्ट के साल 2022 के एक फैसले का भी हवाला दिया। वकील की ओर से इस फैसले को आधार बनाते हुए अदालत के सामने अपनी दलील रखी गई। उनका कहना था कि पहले दिए गए फैसले और उसमें तय किए गए सिद्धांतों को मौजूदा मामले में भी ध्यान में रखा जाना चाहिए।

अबू सलेम की ओर से दाखिल याचिका में मुख्य तौर पर सजा में राहत और रिहाई का मुद्दा उठाया गया है। यह मामला 1993 में मुंबई में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों से जुड़ा है। इन धमाकों ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था और लंबे समय तक इसकी जांच और कानूनी कार्रवाई चलती रही। अबू सलेम इस मामले में दोषी ठहराए गए आरोपियों में शामिल है। उसे मामले में मिली सजा के बाद लंबे समय से जेल में रखा गया है। अब उसकी ओर से अदालत में यह सवाल उठाया जा रहा है कि उसने कितनी अवधि की सजा पूरी कर ली है और कानून के तहत उसे आगे क्या राहत मिल सकती है। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान फिलहाल अदालत ने कोई अंतिम आदेश नहीं दिया। कोर्ट का जोर इस बात को समझने पर रहा कि अबू सलेम की ओर से बताई जा रही 25 साल की सजा की गणना किस आधार पर की गई है।

कॉकरोच जनता पार्टी ने छात्रों की गिरफ्तारी पर नाराजगी जताई, फिर आंदोलन की चेतावनी दी

नईदिल्ली (आरएनएस)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने केंद्र सरकार के लिखित आश्वासन के बावजूद दिल्ली, बिहार और पश्चिम बंगाल समेत कई प्रदेशों में छात्रों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई पर नाराजगी जताई है। पार्टी के प्रवक्ता आशुतोष रांका ने सोमवार को एक्स पर केंद्र की ओर से बातचीत का नेतृत्व करने वाले केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह को टैग कर इसकी जानकारी दी है। रांका ने कहा कि अगर पुलिसिया कार्रवाई नहीं रुकती है तो वे फिर आंदोलन करेंगे।

रांका ने एक्स पर लिखा, जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह जी, हम देख रहे हैं कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई न करने के समझौते का पूरी तरह उल्लंघन हो रहा है। बिहार और बंगाल में सैकड़ों छात्रों को गिरफ्तार किया गया है, और दिल्ली समेत अन्य राज्यों में निगरानी रखकर परेशान किया जा रहा है। दिल्ली से ऐसी कई खबरें आ रही हैं कि प्रदर्शनकारियों को रसद में मदद करने वाले वॉलंटियर्स को हिरासत में लिया जा रहा है।

रांका ने लिखा, हमारी मांग है कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सभी एफआईआर तुरंत वापस ली जाएं, छात्रों को रिहा किया जाए और समझौते के अनुसार भविष्य में कोई एफआईआर दर्ज न की जाए। चाहे वह दिल्ली पुलिस, केंद्रीय जांच एजेंसियों या भाजपा-सहयोगी राज्यों की पुलिस द्वारा हो। ऐसा न होने पर हम दोबारा विरोध-प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। हमारी मांग हैं कि कानूनी मामलों से जुड़ा लिखित समझौता और सरकार के साथ तय समय-सीमा की जानकारी कल तक दी जाए।

ब्रिक्स देशों का संस्कृति सम्मेलन 5 से 8 अगस्त तक भोपाल में होगा

ब्रिक्स देशों के संस्कृति मंत्री एवं प्रतिनिधि होंगे शामिल संभागायुक्त श्री शर्मा ने तैयारियों की समीक्षा की

भोपाल (आरएनएस)। प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय ब्रिक्स सम्मेलन (BRICS Culture Track Meetings) आगामी 5 अगस्त से 8 अगस्त तक भोपाल में आयोजित होगा, इसमें ब्रिक्स देशों के संस्कृति मंत्री और प्रतिनिधि सम्मिलित होंगे। ब्रिक्स देशों के कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी की जाएगी।

संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने सोमवार को कमिश्नर कार्यालय में सम्मेलन की तैयारियां की विस्तृत समीक्षा की। इस अवसर पर संचालक संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार श्रीमती प्रियंका चंद्र (वी.सी के माध्यम से), कलेक्टर भोपाल प्रियंक मिश्रा, स्मार्ट सिटी सीईओ श्रीमती अंजू अरूण कुमार, संयुक्त आयुक्त डॉ. विनोद यादव, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती इला तिवारी, पुरातत्व विभाग, संस्कृति विभाग, एमएचएआई सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

संभागायुक्त श्री शर्मा ने निर्देश दिए कि सम्मेलन की सभी व्यवस्थाएं भारत की संस्कृति, गौरव एवं परम्परा के अनुरूप उत्कृष्ट हों। उन्होंने माइक्रो प्लानिंग पर जोर देते हुए केन्द्र एवं राज्य शासन के सभी अधिकारियों को पूर्ण समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

प्रस्तावित कार्यक्रम

प्रस्तावित कार्यक्रम अनुसार ब्रिक्स संस्कृति सम्मेलन में 5 अगस्त को ब्रिक्स देशों की तकनीकी समितियों की मिंटो हॉल में बैठक होगी। सायंकाल सदस्यगण इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय का भ्रमण करेंगे। 6 अगस्त को पुन: ब्रिक्स देशों की तकनीकी समितियों की मिंटो हॉल में बैठक होगी. सायंकाल रवीन्द्र भवन में ब्रिक्स कल्चरल फेस्टीवल में ब्रिक्स देशों के कलाकारों द्वारा प्रस्तुतियां होंगी। 7 अगस्त को ब्रिक्स देशों के संस्कृति मंत्रियों का आगमन होगा और उसके पश्चात वे भोपाल में ट्राइबल म्यूजिनियम, वन विहार एवं राज्य संग्रहालय का भ्रमण करेंगे। शाम 5 बजे से 7 बजे तक रवीन्द्र भवन में ब्रिक्स कल्चरल फेस्टीवल एवं कल्चरल शो का आयोजन किया जाएगा। 8 अगस्त को प्रात: 10 बजे से 2 बजे तक ब्रिक्स देशों के संस्कृति मंत्रियों की कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में बैठक होगी। अपराह्न में सांची स्तूप

बाघ सप्ताह के अंतर्गत वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में पॉम पेंटिग प्रतियोगिता का आयोजन

भोपाल (ए.)। अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर बाघों के सम्बध में जनमानस एवं विद्यार्थियों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में बाघ सप्ताह का आयोजन 22 जुलाई से 28 जुलाई 2026 तक किया जा रहा है, जिसमें भोपाल शहर के महाविद्यालय/विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिये विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही है। बाघ सप्ताह के अतर्गत वन विहार संचालक विजय कुमार के निर्देशन में 27 जुलाई को प्रात: 10 बजे से 12 बजे तक विहार स्थित विहार वीथिका में सेंट जॉर्ज स्कूल, जवाहर लाल स्कूल एवं गुरूनानक पब्लिक स्कूल के कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिये मध्यप्रदेश में बाघ विषय पर पॉम पेंटिग प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में 50 प्रतिभागी एवं शिक्षकों ने भाग लिया। विजयी प्रतिभागियों को प्रथम द्वितीय, तृतीय को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र तथा चार प्रतिभागियों को सात्वना पुरस्कार वन विहार सहायक सचालक डॉ. रूही हक प्रदान किये। इस अवसर पर वन विहार के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

28 जुलाई 2026 के कार्यक्रम

दिनांक 28 जुलाई 2026 को प्रात: 7 बजे से 9 बजे तक वन विहार में पक्षी अवलोकन शिविर का आयोजन होगा।

प्रदेश की मंडियों में लगेंगी ग्रेडिंग सोर्सिंग यूनिट ई मंडी योजना प्रभावी बनाने के निर्देश

भोपाल (आरएनएस)। प्रदेश की मंडियों में जल्दी ही ग्रेडिंग सोर्सिंग यूनिट काम करने लगेगी। प्रबंध संचालक कुमार पुरुषोत्तम ने आज समीक्षा बैठक में समय सीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड की वर्चुअल बैठक मंत्रालय वल्लभ भवन से आयोजित की गई जिसमें सभी अधिकारी कर्मचारी तथा 259 मंडियों के सचिव तथा सातों आंचलिक कार्यालय के संयुक्त संचालक V C के माध्यम से जुड़े। वर्चुअल बैठक में मुख्य रूप से मंडियों में होने वाली आवक तथा मंडियों की आय पर समग्र रूप से चर्चा की गई तथा नवीन भूमि संरचना आवंटन नियमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

आगामी वर्षा ऋतु में अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने के निर्देश दिए गए। ई -मंडी तथा फार्म गेट पर समव्यवहारों की समीक्षा की गई तथा मंडियों में वाणिज्यिक समव्यवहार ई मंडी पर हो तथा ई मंडी योजना मूर्त रूप से क्रियान्वित होती रहे के निर्देश दिए गए। 20% लक्ष्य को अर्जित नहीं करने वाली मंडी समितियां को कारण बताने के निर्देश दिए गए। अवैध व्यापार पर व्यापक रूप से नियंत्रण के निर्देश दिए गए। लेखा सत्यापन समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। ई -नाम तथा एगमार्क नेट योजना पर समग्र रूप से रिपोर्टिंग करने के निर्देश दिए गए।

आयुष्मान भारत निरामयम् के तहत एनएबीएच मान्यता प्राप्त अस्पतालों को मिलेगी सहज संबद्धता

भोपाल (आरएनएस)। आयुष्मान भारत निरामयम् मध्यप्रदेश के अंतर्गत गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए राज्य स्तरीय समिति (एसईसी) ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इसके तहत पूर्ण एनएबीएच मान्यता प्राप्त अस्पतालों को बिना भौतिक निरीक्षण के योजना में संबद्धता प्रदान की जाएगी। साथ ही, उनकी एनएबीएच मान्यता के अनुरूप विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार को भी स्वीकृति दी जाएगी। मुख्य कार्यपालन अधिकारी अरविंद शाह ने बताया कि इस व्यवस्था से अस्पतालों की संबद्धता प्रक्रिया अधिक सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध होगी।

निशातपुरा रेलवे स्टेशन से भोपाल के विकास को मिलेगी नई रफ्तार : मंत्री श्री सारंग

मुख्यमंत्री डॉ. यादव 28 जुलाई को करेंगे लोकार्पण

भोपाल (आरएनएस)। सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने सोमवार को नव विकसित निशातपुरा रेलवे स्टेशन का दौरा कर लोकार्पण कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने रेलवे एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ स्टेशन परिसर, यात्री सुविधाओं एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा सभी तैयारियां समयबद्ध एवं व्यवस्थित रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में आधुनिक परिवहन एवं आधारभूत संरचना का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। रेलवे, सड़क और शहरी कनेक्टिविटी की परियोजनाएं न केवल नागरिकों का जीवन आसान बनाएंगी, बल्कि भोपाल को देश के अग्रणी एवं आधुनिक महानगरों की श्रेणी में स्थापित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि निशातपुरा रेलवे स्टेशन का संचालन केवल एक नए रेलवे स्टेशन का शुभारंभ नहीं, बल्कि तेजी से विकसित हो रहे भोपाल की नई पहचान और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार की गई महत्वपूर्ण अधोसंरचना है। यह भोपाल के लाखों नागरिकों के लिए एक ऐतिहासिक सौगात साबित होगी। उन्होंने बताया कि 28 जुलाई को शाम 5 बजे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव निशातपुरा रेलवे स्टेशन का लोकार्पण करेंगे। इसके बाद स्टेशन से यात्री रेल सेवाओं का नियमित संचालन प्रारंभ होगा। इंदौर की ओर जाने वाली महत्वपूर्ण ट्रेनों का संचालन निशातपुरा रेलवे स्टेशन से किया जाएगा। विशेष रूप से मालवा एक्सप्रेस एवं सोमनाथ-जबलपुर एक्सप्रेस का ठहराव अब निशातपुरा रेलवे स्टेशन पर होगा। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि जिस गति से भोपाल का विस्तार हो रहा है, उसी गति से शहर की आधारभूत संरचना को भी विकसित किया जा रहा है। राजधानी की बढ़ती जनसंख्या और यात्रियों की संख्या को देखते हुए रेलवे स्टेशनों का विस्तार अत्यंत आवश्यक था। भोपाल, रानी कमलापति और संत हिरदाराम नगर रेलवे स्टेशन पहले से ही महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, वहीं अब निशातपुरा रेलवे स्टेशन के पूर्णत: संचालित होने से राजधानी का रेल नेटवर्क और अधिक मजबूत होगा। इससे मुख्य भोपाल रेलवे स्टेशन पर यात्रियों का दबाव कम होगा तथा रेल संचालन अधिक सुगम और व्यवस्थित बनेगा। उन्होंने कहा कि निशातपुरा रेलवे स्टेशन विशेष रूप से करोंद, निशातपुरा, छोला, भानपुर, अयोध्या बायपास, द्वारका नगर एवं आसपास के क्षेत्रों के लाखों नागरिकों के लिए बड़ी सुविधा लेकर आया है।

मूंग खरीदी, फसल बीमा, खाद संकट और किसानों के मुद्दों पर कांग्रेस ने सरकार को घेरा

किसान कल्याण वर्ष नहीं, किसान प्रताड़ना वर्ष मना रही है सरकार : कुणाल चौधरी

भोपाल, (निप्र)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक कुणाल चौधरी ने सोमवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में मध्य प्रदेश के किसानों की स्थिति, मूंग खरीदी, फसल बीमा, खाद उपलब्धता और कृषि संबंधी अन्य मुद्दों को लेकर केंद्र और राज्य की भाजपा सरकारों पर कई आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि सरकार किसान कल्याण वर्ष मनाने का दावा कर रही है, जबकि किसानों को विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।कुणाल चौधरी ने दावा किया कि प्रदेश में इस वर्ष लगभग 20 लाख मीट्रिक टन मूंग का उत्पादन हुआ, जबकि सरकार ने 4.5 लाख मीट्रिक टन खरीदी का लक्ष्य तय किया है। उनका आरोप था कि खरीदी की गति धीमी होने से किसान समर्थन मूल्य का लाभ नहीं ले पा रहे हैं और उन्हें कम कीमत पर उपज बेचने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप

लगाया कि इससे बिचौलियों को लाभ पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी द्वारा मूंग उत्पादक क्षेत्रों का दौरा किए जाने के बाद राज्य सरकार ने केंद्र से खरीदी का कोटा बढ़ाने का अनुरोध किया था। चौधरी के अनुसार, केंद्र ने यह कहते हुए कोटा बढ़ाने से इनकार किया कि राज्य सरकार उपलब्ध कोटे की खरीदी ही पूरी नहीं कर सकी है। उन्होंने इसे केंद्र और राज्य सरकार के बीच समन्वय की कमी बताते हुए कहा कि इसका नुकसान किसानों को उठाना पड़ रहा है।कांग्रेस विधायक ने गेहूं खरीदी, मक्का के दाम और केले की फसल को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए। उनका आरोप था कि किसानों को घोषित समर्थन मूल्य का अपेक्षित लाभ नहीं मिला और कई फसलों के बाजार भाव एमएसपी से काफी नीचे रहे। खाद संकट का मुद्दा उठाते हुए चौधरी ने आरोप लगाया कि किसानों को यूरिया प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है तथा उन्हें अन्य उर्वरक खरीदने के लिए भी बाध्य किया जा रहा है। उन्होंने फसल बीमा योजना की भी आलोचना करते हुए दावा किया कि किसानों से वसूले गए प्रीमियम की तुलना में मुआवजे का भुगतान काफी कम हुआ है, जिससे बीमा कंपनियों को अधिक लाभ हुआ। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि किसानों के हितों से जुड़े मुद्दों पर अपेक्षित कदम नहीं उठाए गए। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों के आंदोलन को रोकने के लिए सरकार ने पुलिस कार्रवाई का सहारा लिया, जो लोकतांत्रिक अधिकारों के विपरीत है।

भोपाल वासियों को ई-बसों में सफर के लिए करना होगा थोड़ा और इंतजार.टिकटिंग सिस्टम बना देरी का कारण

भोपाल(ए.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के नागरिकों को सार्वजनिक परिवहन के रूप में शुरू होने जा रही इलेक्ट्रिक बसों (ई-बसों) का अभी कुछ दिन और इंतजार करना होगा। भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड (बीसीएलएल) ने अपनी योजना में बदलाव करते हुए आज (27 जुलाई) से प्रस्तावित यात्रियों के साथ ई-बसों का ट्रायल रन फिलहाल टाल दिया है।

दरअसल, शहर की सड़कों पर 20 जुलाई से ई-बसों का ट्रायल रन जारी है, लेकिन ऑनलाइन टिकटिंग सिस्टम की टेस्टिंग पूरी नहीं होने के कारण अभी यात्रियों को इन बसों में सफर की अनुमति नहीं दी गई है। भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड (बीसीएलएल) का कहना है कि सभी तकनीकी परीक्षण पूरे होने के बाद एक अगस्त से बसों का कमर्शियल संचालन शुरू होने की संभावना है। हालांकि, औपचारिक लोकार्पण 15 अगस्त को प्रस्तावित है। बीसीएलएल अधिकारियों के मुताबिक ई-बसों में लागू किए जा रहे ऑनलाइन टिकटिंग सॉफ्टवेयर की अंतिम जांच जारी है। इस प्रक्रिया में करीब दो दिन और लग सकते हैं। तकनीकी परीक्षण सफल होने के बाद बसों को यात्रियों के लिए शुरू कर दिया जाएगा। संभावना है कि एक अगस्त से पहले भी संचालन शुरू किया जा सकता है, लेकिन अंतिम फैसला टेस्टिंग पूरी होने के बाद लिया जाएगा।बीसीएलएल की सीईओ अंजू अरुण कुमार ने बताया कि शहर के दो रूटों पर अभी ई-बसों का ट्रायल रन किया जा रहा है। अभी दो दिन और बिना यात्रियों के ही ट्रायल रन चलेगा। इसके बाद दोनों रूटों पर यात्रियों के साथ ट्रायल रन शुरू किया जाएगा और इस दौरान यात्रियों को निर्धारित टिकट लेकर ही यात्रा करनी होगी।गौरतलब है कि राजधानी भोपाल में 245 ई-बसें चलाने की तैयारी है। इसमें पहले चरण में 100 बसें पीएम ई-बस सेवा वाली होंगी और 145 बीसीएलएल (भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड) की होंगी। वर्तमान में पीएम बस सेवा वाली 100 में से 21 बसें भोपाल आ गई हैं। बसों के रूट भी तय हो गए हैं। अभी तक 12 रूट फाइनल हुए हैं। इसमें सबसे बड़ा रूट 68.5 किमी लंबा सीहोर से रातापानी का होगा, जबकि सबसे छोटा रूट 28 किमी का कोच फैक्ट्री से गोल-जोड़ तक का रहेगा। साथ ही ई-बसों के लिए दो डिपो बैरागढ़ और कस्तूरबा नगर फाइनल किए गए हैं। बीसीएलएल अधिकारियों के अनुसार, पहले चरण में दो रूटों पर ही बसों का परीक्षण किया जाएगा।

मध्यप्रदेश के अभियंताओं ने नीरी नागपुर में तरल अपशिष्ट प्रबंधन और जल संरक्षण का सीखा आधुनिक कौशल

श्री भोंडवे की पहल पर 40 सदस्यीय दल को दिया गया व्यावहारिक प्रशिक्षण

दिव्यांग-अनुकूल अधोसंरचना का भी किया अध्ययन

भोपाल (आरएनएस)। नगरीय विकास एवं आवास विभाग आयुक्त तथा मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड प्रबंध संचालक संकेत भोंडवे की पहल पर राज्य के चालीस सदस्यीय अभियंताओं के दल ने नागपुर स्थित राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट (नीरी) में एक दिवसीय प्राप्त किया। कैपेसिटी बिल्डिंग इन द फील्ड ऑफ सीवरेज ट्रीटमेंट टेक्नोलॉजी फॉर लिक्विड वेस्ट मैनेजमेंट विषय पर आयोजित प्रशिक्षण का मुख्य ध्येय राज्य के तकनीकी अधिकारियों को तरल अपशिष्ट प्रबंधन की आधुनिक एवं वैज्ञानिक तकनीकों से सुसज्जित करना है।

प्रशिक्षण सत्र में अभियंताओं को घरेलू प्रणालियों में अपशिष्ट जल के सुचारू प्रबंधन तथा त्रुटिरहित डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने की प्राविधिक बारीकियों से अवगत कराया गया। साथ ही लुप्तप्राय झीलों एवं प्राकृतिक जल स्रोतों के पुनश्चिह्नांकन तथा वर्तमान जल निकायों के वैज्ञानिक संरक्षण एवं संवर्धन की कार्यप्रणाली साझा की गई। मैदानी कार्यों की सुगमता एवं सटीकता बढ़ाने के उद्देश्य से विकसित आधुनिक सॉफ्टवेयर के व्यावहारिक संचालन का भी प्रशिक्षण अधिकारियों को प्रदान किया गया।

प्रशिक्षणार्थियों के व्यावहारिक ज्ञानवर्धन के लिए दल को अंबाझिरी स्थित एमएलडी क्षमता के इको सीडब्ल्यू मल-जल शोधन संयंत्र का स्थल भ्रमण कराया गया। किफायती वेटलैंड तकनीक पर आधारित इस संयंत्र के माध्यम से अभियंताओं ने कम लागत में पर्यावरण-अनुकूल एवं प्रभावी सीवरेज ट्रीटमेंट की प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से समझा। शहरी विकास को समावेशी एवं सुगम्य बनाने के दृष्टिकोण से दल को नागपुर स्थित दिव्यांग पार्क का विशेष अध्ययन भ्रमण भी कराया गया, जिससे मध्यप्रदेश के नगरीय निकायों में दिव्यांगजनों की सहूलियत के लिए सुगम्य एवं उन्नत अधोसंरचना का विकास किया जा सके। इस संपूर्ण आयोजन में कंपनी के प्रमुख अभियंता आनंद सिंह, मुख्य अभियंता शैलेंद्र शुक्ला, प्रोजेक्ट ऑफिसर सुबोध जैन सहित विभिन्न जिलों के परियोजना प्रबंधक एवं मैदानी अभियंता शामिल रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खंडवा में बलराम कृषि महोत्सव में कृषि प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

पानी से भरे गहरे गड्ढे में डूबने से दो मासूम बच्चों की मौत, सेमरा गांव में पसरा मातम

दमोह, (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के दमोह जिले के हटा विकासखंड अंतर्गत रजपुरा थाना क्षेत्र के सेमरा गांव में सोमवार को बारिश के पानी से भरे गहरे गड्ढे में डूबने से दो मासूम बच्चों की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई, जबकि परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार, ग्राम सेमरा निवासी संजू यादव के दो बच्चे सोनू यादव एवं भविष्य यादव गांव के समीप बने पानी से भरे गहरे गड्ढे में नहाने के लिए गए थे। इसी दौरान दोनों बच्चे गहरे पानी में चले गए और डूब गए। जब ग्रामीणों को घटना की जानकारी मिली तो तत्काल बचाव कार्य शुरू किया गया और दोनों बच्चों को पानी से बाहर निकाला गया।सूचना मिलते ही डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची और दोनों बच्चों को तत्काल सिविल अस्पताल हटा ले जाया गया। अस्पताल में ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सकों ने जांच के बाद दोनों बच्चों को मृत घोषित कर दिया। बच्चों की मौत की खबर मिलते ही अस्पताल परिसर में परिजनों का विलाप सुनकर मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं।

रैली, स्लोगन, पोस्टर एवं जनजागरुकता संदेशों के माध्यम से विद्यार्थियों ने स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का दिया संदेश

गुरु पूर्णिमा पखवाड़े के उपलक्ष्य में स्कूलों में आयोजित हो रही विभिन्न गतिविधियां, सांदीपनि उत्सव के अंतर्गत प्रदेश में नवीन विद्यालयों का किया जा रहा लोकार्पण

नटेरन (आरएनएस)। लोक शिक्षण संचालनालय, स्कूल शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश द्वारा प्रदेश के शासकीय विद्यालयों में गुरु पूर्णिमा पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर प्रदेश के स्कूलों में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। सोमवार को स्कूलों में जागरूकता रैली, स्लोगन, पोस्टर सहित अन्य गतिविधियां हुई। विद्यार्थियों ने जनजागरूकता संदेशों के माध्यम से स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का संदेश दिया। साथ ही जागरूक समाज के निर्माण के प्रति सहभागिता और उत्तरदायित्व की भावना को भी प्रोत्साहित किया। पखवाड़े के अंतर्गत सांदीपनि उत्सव मनाया जा रहा है। इसके तहत प्रदेश के विभिन्न जिलों में नवीन सांदीपनि विद्यालयों का लोकार्पण किया जा रहा है। मुरैना, रायसेन, सीहोर, टीकमगढ़ तथा सागर सहित विभिन्न जिलों में जनप्रतिनिधियों, पालकों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अब तक प्रदेश के 22 जिलों में सांदीपनि उत्सव आयोजित किए जा चुके हैं। 39 नवीन सांदीपनि विद्यालयों में से 21 विद्यालयों के नवीन भवनों का लोकार्पण हो चुका है।

ध्वनि प्रदूषण पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग सख्त, मप्र सहित 17 राज्यों ने सौंपी रिपोर्ट, शेष को दो सप्ताह का पुनः नोटिस

विदिशा,(आरएनएस)। ध्वनि प्रदूषण और डीजे वाहनों पर लगाई जाने वाली तेज रोशनी से होने वाली दुर्घटनाओं के मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने सख्त रुख अपनाया है। विदिशा के सामाजिक कार्यकर्ता विनोद के. शाह की याचिका पर सुनवाई करते हुए आयोग ने मध्य प्रदेश सहित 17 राज्यों द्वारा प्रस्तुत की गई कार्रवाई रिपोर्ट की समीक्षा की है, जबकि शेष राज्यों को दो सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने का अंतिम अवसर देते हुए नोटिस जारी किया है। आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो की अध्यक्षता वाली पीठ ने स्पष्ट किया कि पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 7 एवं 15 के तहत निर्धारित मानकों से अधिक ध्वनि उत्पन्न करना दंडनीय अपराध है। ऐसे मामलों में संबंधित व्यक्ति, संस्था तथा नियमों के पालन में लापरवाही बरतने वाले प्रशासनिक अधिकारियों की जवाबदेही भी तय की जाना चाहिए। इसी संबंध में आयोग ने सभी राज्यों से विस्तृत कार्रवाई प्रतिवेदन मांगा था। आयोग ने यह भी कहा कि डीजे वाहनों की मूल संरचना में अनधिकृत परिवर्तन कर उन पर अत्यधिक प्रकाश उपकरण एवं अन्य संशोधन करना मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 52 एवं 190 का उल्लंघन है। ऐसे मामलों में संबंधित अधिकारियों को प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

वंचितों को अधिकार व सम्मान दिलाने के लिये जनप्रतिनिधि आगे आएं : डॉ. कैलाश जाटव

राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष डॉ. जाटव ने लिए जनप्रतिनिधियों के सुझाव

ग्वालियर (आरएनएस)। समाज के वंचित लोगों को अधिकार व सम्मान दिलाने के लिये जनप्रतिनिधि आगे आएं। साथ ही सरकार की योजनाओं का लाभ उन तक पहुँचाने में सहभागी बनें। यह बात मध्यप्रदेश राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष डॉ. कैलाश जाटव ने जनप्रतिनिधियों से चर्चा के दौरान कही। उन्होंने जिला पंचायत के सभागार में आयोजित हुई बैठक के माध्यम से अनुसूचित जाति आयोग की ओर से जनप्रतिनिधियों से सुझाव भी लिए।राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष डॉ. जाटव ने बैठक में जानकारी दी कि नगर निगम, नगर पालिका एवं नगर परिषदों को मिलने वाले योजनाओं के कुल बजट में से कम से कम 18 प्रतिशत अनुसूचित जाति बहुल बस्तियों के विकास पर खर्च करना अनिवार्य है। पार्षदगण इस प्रावधान का विशेष ध्यान रखें और अपने-अपने क्षेत्र की अनुसूचित जाति बस्तियों को विकसित बनाएं। आयोग के अध्यक्ष डॉ. जाटव ने कहा कि सरकार द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग के कल्याण के लिये तमाम योजनायें संचालित हैं। जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है कि इन योजनाओं को जरूरतमंदों तक पहुंचाने में सक्रिय भागीदारी निभायें। उन्होंने डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना, आचार विद्यासागर गौसेवा सम्मान योजना सहित अन्य कल्याणकारी योजनाओं का जिक्र किया।

किसानों को फसल बीमा का लाभ दिलाने व बिजली संकट को लेकर कांग्रेस का कलेक्ट्रेट घेराव

राजगढ़,(ए.)। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में फसल बीमा वितरण में कथित गड़बड़ी और ग्रामीण क्षेत्रों में अघोषित बिजली कटौती को लेकर सोमवार को पूर्व विधायक बापूसिंह तंवर के नेतृत्व में कांग्रेस पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और किसानों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर डॉ. गिरीशकुमार मिश्रा को ज्ञापन सौंपा। साथ ही अधीक्षण यंत्री को भी अलग से पत्र देकर ग्रामीण क्षेत्रों में रात के समय हो रही बिजली कटौती तत्काल बंद करने की मांग की। ज्ञापन में कांग्रेस ने आरोप लगाया कि राजगढ़ विधानसभा क्षेत्र के किसानों के साथ फसल बीमा वितरण में गंभीर असमानता हुई है। कांग्रेस के अनुसार, खुजनेर ब्लॉक के केवल 282 किसानों को 4.75 लाख तथा राजगढ़ ब्लॉक के मात्र 206 किसानों को 3.81 लाख की बीमा राशि स्वीकृत की गई है, जबकि पूर्व में राजस्व विभाग के सर्वे में क्षेत्र की फसलों को 50 प्रतिशत से अधिक नुकसान दर्ज किया गया था।

मंदसौरः निर्माण के दौरान मजदूर की ऊंचाई से गिरकर मौत

मंदसौर (ए.)। मध्य प्रदेश के मंदसौर शहर के अफीम गोदाम रोड स्थित अमलेश्वर महादेव मंदिर में निर्माण कार्य के दौरान सोमवार दोपहर एक मजदूर की ऊंचाई से गिरने से मौत हो गई।बताया जा रहा है कि 25 वर्षीय मजदूर दीवार तोड़ने का काम कर रहा था। उसे गंभीर अंदरूनी चोटें आईं, जिसके बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान साबिर (25) पुत्र कालू खां मेवाती के रूप में हुई। वह वर्तमान में नाहरसैय्यद मेला ग्राउंड, मंदसौर में रहता था और मूल रूप से अचेरी, जिला मंदसौर का निवासी था।पुलिस के अनुसार, साबिर मजदूरी के साथ मकान तोड़ने का काम भी करता था। सोमवार दोपहर वह अमलेश्वर महादेव मंदिर में निर्माण कार्य के दौरान एक दीवार पर चढ़कर तोड़फोड़ कर रहा था। इसी दौरान उसका संतुलन बिगड़ा और वह लगभग 15 फीट की ऊंचाई से नीचे गिर गया।घटना के समय मंदिर परिसर में वेल्डिंग का काम कर रहे जमील हुसैन ने बताया कि उन्होंने युवक को ऊपर से नीचे गिरते देखा। उन्होंने अन्य लोगों की मदद से घायल साबिर को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

व्यापार समाचार

अमेरिका-ईरान के बीच सैन्य हमले रुकने से वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें करीब 5 प्रतिशत तक लुढ़कीं

नई दिल्ली (आरनएस),। अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य हमलों पर विराम लगने के बाद सोमवार को वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में भारी बिकवाली देखने को मिली। प्रमुख तेल बेंचमार्क में करीब 5 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई।

सुबह 10:20 पर अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 4.8 प्रतिशत से अधिक यानी करीब 4.64 डॉलर टूटकर लगभग 87.55 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर आ गया।

वहीं, अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) कच्चा तेल भी 5.09 प्रतिशत यानी लगभग 4.56 डॉलर गिरकर 85 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है।

तेल की कीमतों में यह तेज गिरावट ऐसे समय आई जब ईरान ने संकेत दिया कि यदि अमेरिका भी सैन्य अभियान रोकता है तो वह आगे कोई हमला नहीं करेगा। इससे इस संघर्ष के कूटनीतिक समाधान की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

यह ताजा गिरावट पिछले तीन सप्ताह में तेल की कीमतों में आई तेज तेजी के बाद देखने को मिली है। इस दौरान ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया था। बाजार को आशंका थी कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से हॉर्मुज स्ट्रेट और बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट के रास्ते कच्चे तेल की आपूर्ति बाधित हो सकती है। ये दोनों दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा शिपिंग मार्गों में शामिल हैं।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, ईरान समर्थित हूती बलों द्वारा सऊदी अरब के रेड सी (लाल सागर) स्थित सऊदी अरामको की जिजान और यानबू बंदरगाहों पर हमले का दावा इस बात का संकेत है कि भू-राजनीतिक जोखिम अभी भी ऊंचे बने हुए हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि सोमवार की तेज गिरावट के बावजूद इस महीने कच्चे तेल की कीमतें अब भी लगभग 40 प्रतिशत ऊंची हैं। इसका कारण यह है कि आपूर्ति संबंधी बाधाएं हॉर्मुज स्ट्रेट से बढ़कर लाल सागर तक फैल गई हैं, जो सऊदी अरब के तेल निर्यात का एक अहम मार्ग है।

शेयर बाजार खुलते ही निवेशकों की लगी लॉटरी, जेब में आए 4.76 लाख करोड़

मुंबई (आरनएस),। वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक तनाव कम होने, कच्चे तेल की कीमतों में पांच प्रतिशत से अधिक की गिरावट और डॉलर के मुकाबले रुपये के मजबूत होने से सप्ताह के पहले कारोबारी दिन भारतीय शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी दर्ज की गई। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 600 अंकों से अधिक उछल गया, जबकि एनएसई निफ्टी में करीब 200 अंकों की बढ़त देखने को मिली। इस तेजी से निवेशकों की संपत्ति में लगभग 4.76 लाख करोड़ का इजाफा हुआ।बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने से पश्चिम एशिया में हालात सामान्य होने की उम्मीद बढ़ी है। इससे वैश्विक कच्चे तेल की आपूर्ति को लेकर चिंताएं घटी हैं और निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ है। साथ ही, दोनों देशों के बीच कूटनीतिक समाधान की संभावनाओं ने भी बाजार की धारणा को सकारात्मक बनाया है।

सेंसेक्स-निफ्टी में मजबूत बढ़तशुरुआती कारोबार में बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 636.61 अंक चढ़कर 76,696.38 के स्तर तक पहुंच गया। वहीं एनएसई का निफ्टी भी करीब 200 अंकों की तेजी के साथ 23,964.50 के स्तर तक पहुंचा।

एनवीडिया, ओपनएआई के मेगा डेटा सेंटर के लिए 250 अरब डॉलर की वित्तीय गारंटी देने के लिए कर रही बातचीत : रिपोर्ट

नई दिल्ली, (आरनएस)। अमेरिका की टेक्नोलॉजी कंपनी एनवीडिया, यूएस में बनने वाले ओपनएआई के विशाल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) डेटा सेंटर प्रोजेक्ट के लिए करीब 250 अरब डॉलर की वित्तीय गारंटी उपलब्ध कराने पर बातचीत कर रही है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई है।

द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, प्रस्तावित वित्तीय समर्थन से चैटजीपीटी बनाने वाली कंपनी ओपनएआई को दक्षिणी ओहायो में सॉफ्टबैंक की ऊर्जा इकाई द्वारा विकसित किए जा रहे 10 गीगावाट क्षमता वाले डेटा सेंटर परिसर को लीज पर लेने में मदद मिलेगी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इस परियोजना की कुल लागत 500 अरब डॉलर से अधिक रहने का अनुमान है, जिसमें इस डेटा सेंटर को संचालित करने वाले एनवीडिया के एआई चिप्स की लागत भी शामिल है।

प्रस्तावित 250 अरब डॉलर की गारंटी डेटा सेंटर की लीज और डेट फाइनेंसिंग को कवर करेगी, लेकिन इसमें चिप्स की लागत शामिल नहीं होगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, एनवीडिया ओपनएआई द्वारा 350 अरब डॉलर तक के एआई चिप्स की खरीद के लिए फाइनेंसिंग पर भी चर्चा कर रही है।

ओपनएआई के लिए यह समझौता अपनी खुद का एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने और उस पर नियंत्रण स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। इससे कंपनी माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन और ओरेकल जैसे क्लाउड सेवा प्रदाताओं पर निर्भरता कम कर सकेगी। वहीं, एनवीडिया के

लिए यह व्यवस्था उसके एआई चिप्स की दीर्घकालिक मांग सुनिश्चित करने में मददगार होगी। इन चिप्स का उपयोग उन्नत एआई मॉडल को प्रशिक्षित करने और संचालित करने के लिए व्यापक रूप से किया जाता है।रिपोर्ट के अनुसार, यह वित्तीय सहायता उन निवेश ढांचों को भी मजबूत करेगी, जिनका उद्देश्य इस परियोजना के फंडिंग को लेकर ऋणदाताओं का भरोसा बढ़ाना है। ओहायो में बनने वाली इस परियोजना का पहला चरण 2028 तक पूरा होने की उम्मीद है, जिसमें लगभग 800 मेगावाट बिजली क्षमता उपलब्ध होगी।रिपोर्ट के मुताबिक, इस परियोजना के लिए बिजली आपूर्ति का नियंत्रण अमेरिकी सरकार के पास होगा और इसकी फंडिंग जापान करेगा। यह हाल ही में हुए व्यापार समझौते का हिस्सा है, जिसके तहत टोक्यो ने 33 अरब डॉलर के प्राकृतिक गैस संयंत्र में निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है।

इस महीने की शुरुआत में दक्षिण कोरिया के बड़े औद्योगिक समूहों और एनवीडिया सहित वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों ने करीब 950 अरब डॉलर मूल्य की कई सहयोगी परियोजनाओं की संभावनाओं पर सहमति जताई थी। यह जानकारी दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी की ओर से दी गई थी।

प्रस्तावित पहलों में एक दीर्घकालिक समझौता भी शामिल है, जिसके तहत एसके ग्रुप (एसके ग्रुप) वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों, जिनमें एनवीडिया भी शामिल है, को लगभग 750 अरब डॉलर मूल्य के उच्च-प्रदर्शन सेमीकंडक्टर उपलब्ध कराएगा। यह जानकारी राष्ट्रपति के नीति मामलों के प्रमुख सचिव किम योंग-बोम ने मीडिया ब्रीफिंग के दौरान दी।

यह सहमति सैन फ्रांसिस्को में आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में बनी, जिसमें वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों और दक्षिण कोरिया के प्रमुख कारोबारी समूहों के शीर्ष अधिकारियों ने हिस्सा लिया। इनमें सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के कार्यकारी अध्यक्ष ली जे-योंग और एसके ग्रुप के चेयरमैन चे ताए-वोन शामिल थे। बैठक में ओपनएआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सैम ऑल्टमैन और एनवीडिया के संस्थापक एवं सीईओ जेनसन हुआंग भी मौजूद रहे। उनकी भागीदारी अगली पीढ़ी के कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को तेजी से विकसित करने के लिए एआई डेवलपर्स और सेमीकंडक्टर कंपनियों के बीच बढ़ते सहयोग को दर्शाती है।

एफसीएनआर (बी) डिपॉजिट केवल 45 दिनों में 2013 के 26 अरब डॉलर के स्तर को कर चुके हैं पार : एसबीआई रिपोर्ट

नई दिल्ली (आरनएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की विशेष योजना के तहत 30 सितंबर तक भारत में एफसीएनआर (बी) डिपॉजिट 65-70 अरब डॉलर तक पहुंच सकती है, जबकि यह कुल 80-85 अरब डॉलर के दायरे में रहने का अनुमान है। यह जानकारी सोमवार को जारी एसबीआई रिसर्च की एक रिपोर्ट में दी गई।

रिपोर्ट के अनुसार, 17 जुलाई तक 20 अरब डॉलर का पूंजी प्रवाह दर्ज किया गया, जिसमें 17.4 अरब डॉलर के एफसीएनआर (बी) डिपॉजिट का प्रमुख योगदान रहा।

एसबीआई के समूह मुख्य आर्थिक सलाहकार डॉ. सौम्य कांति घोष ने कहा, हमारा अनुमान है कि केवल 45 दिनों में ही एफसीएनआर (बी) डिपॉजिट 2013 के 26 अरब डॉलर के स्तर को पार कर चुकी है।

आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, 17 जुलाई 2026 तक 17.4 अरब डॉलर के एफसीएनआर (बी) डिपॉजिट जुटाए जा चुके हैं। रुझान बताते हैं कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक (पीएसबी) इस जमा अभियान को आगे बढ़ाने में सबसे बड़ी भूमिका निभा रहे हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अगस्त और सितंबर 2026 में मैच्योर होने वाली मौजूदा एफसीएनआर जमाओं का बड़ा हिस्सा नई योजना के तहत अधिक ब्याज दरों के कारण दोबारा जमा (रिन्यू) किया जाएगा, जिससे एफसीएनआर (बी) में आने वाली राशि और बढ़ेगी।

जेब में जल्द आएंगे प्लास्टिक के नोट, 10 और 20 रुपए के पॉलीमर नोटों पर सरकार की हरी झंडी

नई दिल्ली (ए.)। देश में जल्द ही लेन-देन का अंदाज बदलने वाला है और लोगों के हाथों में कागज की बजाय प्लास्टिक (पॉलीमर) के चमचमाते नोट देखने को मिल सकते हैं। केंद्र सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के उस अहम प्रस्ताव को अपनी आधिकारिक मंजूरी दे दी है, जिसके तहत सबसे पहले 10 और 20 रुपये के पॉलीमर नोटों का फील्ड ट्रायल किया जाएगा। अगर यह परीक्षण हर पैमाने पर सफल रहता है, तो इन नोटों को देश भर में नियमित रूप से आम जनता के लिए चलन में जारी कर दिया जाएगा।

संसद में सरकार ने दी प्रस्ताव की जानकारी

वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सोमवार को लोकसभा में एक लिखित जवाब के जरिए इस बड़ी योजना का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि आरबीआई के केंद्रीय निदेशक मंडल की सिफारिश पर भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 25 के तहत सरकार को यह प्रस्ताव भेजा गया था। इस योजना के शुरुआती चरण में 10 रुपये और 20 रुपये के 100-100 करोड़ पॉलीमर नोट फील्ड ट्रायल के लिए बाजार में उतारे जाएंगे। सरकार की ओर से हरी झंडी मिलने के बाद अब रिजर्व बैंक जल्द ही इस परीक्षण को जमीन पर उतारने की तैयारी में जुट गया है।

क्या बंद हो जाएंगे पुराने कागजी नोट ?

नए नोटों की खबर सामने आते ही आम लोगों के मन में पुराने नोटों के भविष्य को लेकर सवाल उठने लगे हैं, लेकिन वित्त मंत्रालय ने इस पर स्थिति पूरी तरह साफ कर दी है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल पारंपरिक कागजी नोटों को बंद करने का कोई इरादा नहीं है। बाजार में पॉलीमर नोट और पहले से मौजूद कागज के नोट दोनों एक साथ चलन में बने रहेंगे। फील्ड ट्रायल के दौरान मुख्य रूप से यह परखा जाएगा कि भारत के अलग-अलग मौसम और परिस्थितियों में ये प्लास्टिक नोट कितने टिकाऊ साबित होते हैं और आम जनता को इनका इस्तेमाल करना कितना आसान लगता है।

क्यों पड़ी प्लास्टिक नोटों की जरूरत ?

दुनिया के कई विकसित देशों में पॉलीमर नोट पहले से ही बेहद सफल रहे हैं। रिजर्व बैंक के अनुसार, 10 और 20 रुपये जैसे छोटे मूल्य के नोटों का बाजार में सबसे ज्यादा लेन-देन होता है, जिसके चलते वे बहुत जल्दी फट या खराब हो जाते हैं। प्लास्टिक के नोट सामान्य कागजी नोटों की तुलना में कई गुना अधिक समय तक सुरक्षित रहते हैं, जिससे बार-बार नए नोट छापने का सरकारी खर्च और कचरा दोनों कम होंगे। इसके साथ ही इन नोटों में पारदर्शी विंडो और आधुनिक सुरक्षा तकनीक जैसे कई नए फीचर्स जोड़े जा सकेंगे, जिससे जाली नोटों के कारोबार पर भी पूरी तरह लगाम लगेगी।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

बहस से ज्यादा अपेक्षा टकराव

विचारधारा, नीति, कार्यक्रम, चुनाव घोषणापत्र आदि का आज क्या औचित्य रह गया है? अगर ये राजनीति के प्रेरक तत्व ना रहें, तो फिर पहलवानी के अखाड़े और संसद के बीच क्या फर्क रह जाएगा? मानसून सत्र की शुरुआत के साथ संसद का नज़ारा कुछ बदला नजर आएगा। यह संभवत: पहला मौका है, जब बिना चुनाव हुए सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के संख्या बल में गुणात्मक बदलाव हुआ दिखेगा। बजट सत्र के बाद तृणमूल कांग्रेस और शिवसेना (उद्धव) बड़ी टूट-फूट हो चुकी है, जबकि एनसीपी (शरद पवार गुट) के रुख में बदलाव के संकेत मिले हैं। इससे बिना नया जनादेश आए ही सत्ताधारी एनडीए मजबूत हो गया है। इस हद तक कि अभी दो महीने पहले लोकसभा सीटों के परिसीमन के मकसद से लाया गया जो विधेयक गिर गया था, सत्ता पक्ष उसे फिर से लाने की तैयारी में दिखा है। इसी तरह विवादास्पद विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक-2025 और गिरफ्तारी होने पर 30 दिन के अंदर मुख्यमंत्री/ मंत्री पद खत्म करने का प्रावधान करने वाले विधेयक को भी लाने की चर्चा थी (जिसका इरादा शायद टाल दिया है)। पिछले सत्र तक इन विधेयकों के पारित होने की संभावना बेहद कमजोर थी। अभी भी इनके लिए सरकार संख्या बल का पूरा इंतजाम नहीं कर पाई है, लेकिन कुछ और जोड़-तोड़ में कामयाब रही, तो इनके पारित होने की संभावना बन सकती है। मगर यही समस्या है। वह संभावना 2024 में आए जनादेश की भावना के विपरीत होगी। मुद्दा है कि दांव-पेच से जनादेश की भावना को इस तरह धता बताने का चलन आम हो जाता है, तो फिर विचारधारा, नीति, कार्यक्रम, चुनाव घोषणापत्र आदि का क्या औचित्य रह जाएगा? ये राजनीति के प्रेरक तत्व ना रहें, तो फिर पहलवानी के अखाड़े में होने वाली जोर-आजमाईश और संसदीय प्रक्रियाओं के बीच क्या फर्क रहेगा? क्या उसके बाद भी संसद को बहस के जरिए अधिकतम संभव सहमति निर्माण का मंच माना जा सकेगा? दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारत में इन प्रश्नों के उत्तर लगातार नकारात्मक होते गए हैं। संसद शोर, हंगामे, वॉकआउट, बहिष्कार, और कई बार तो शारीरिक बल के जरिए झड़पों का स्थल बनती चली गई है। नतीजतन, अधिवेशनों से पहले गंभीर बहस से ज्यादा अपेक्षा टकराव और तू तू-मैं- मैं की रहने लगी है। मानसून सत्र के पहले भी राजनीतिक क्षितिज पर यही माहौल हावी नजर आया है।

सो, जैसा राजा मिला है उसे स्वीकार करें

हरिशंकर व्यास

जब से नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने हैं तब से उन्होंने स्वंय, उनकी पार्टी के नेताओं और संघ के पदाधिकारियों ने सैकड़ों बार जनता को उसके कर्तव्यों की याद दिलाई है। बार बार कहा है कि नागरिकों को अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। यह भी कहा गया कि देश में लोग अधिकार की बात तो करते हैं लेकिन कर्तव्य की बात नहीं करते हैं। दावा किया गया कि अगर नागरिक अपने कर्तव्यों का निर्वहन ठीक ढंग से करेंगे तभी भारत विकास करेगा। अच्छी बात है कि नागरिकों को अपने कर्तव्य निभाने चाहिए। उसे समय पर टैक्स भरना चाहिए। उसे अपने आसपास सफाई रखनी चाहिए। उसे पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले काम नहीं करने चाहिए। उसे ईमानदार होना चाहिए। आदि आदि। सवाल है सरकार का क्या दायित्व है? नागरिक क्यों सरकार चुनते हैं? इसलिए क्योंकि जो काम वे खुद नहीं कर सकते हैं उन कार्यों को जिम्मेदारी और ईमानदारी के साथ करने के लिए सरकार चुनी जाती है। लोग अपने अधिकार का समर्पण करते हैं और अपनी कमाई के पैसे सरकार चलाने के लिए देते हैं। लेकिन बदले में उन्हें क्या मिलता है? नेताओं का भाषण! सरकार उलटे नागरिकों से ही उम्मीद लगाए बैठी हैं कि वे सब काम करेंगे और सरकार में बैठे हुए लोग राज करेंगे।अब भारत में किसी चीज के लिए सरकार की कोई जिम्मेदारी नहीं है। सरकार का काम सिर्फ इतना दिख रहा है कि वह लोगों से टैक्स वसूले और सरकार में शामिल लोगों के वेतन, भत्ते, पेंशन आदि की व्यवस्था करे। सरकार चलाने में होने वाली हर गड़बड़ी को इस तर्क से ढका जाता है कि इतना बड़ा देश है, इतनी बड़ी व्यवस्था है, इतनी आबादी है तो थोड़ी बहुत गड़बड़ तो होगी ही।सोचें, इस तर्क पर। यह कितना अवैज्ञानिक और सुविधाजनक तर्क है। क्या व्यवस्था इस तरह से काम करती है? अगर किसी काम के लिए कोई नियम बना है, कोई व्यवस्था बनी है तो वह ठीक तरीके से काम करनी चाहिए और अगर काम ठीक से नहीं हो रहा है तो उसे करने वाले लोगों की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। लेकिन इतने बड़े देश का तर्क दिया जाता है इसका मतलब ही है कि सब कुछ संयोगों के सहारे चल रहा है। इतना बड़ा देश कोई आदमी कैसे चला सकता है।

मशीनों के युग में मनुष्य को मनुष्य बनाने वाली शक्तिः गुरु

गुरु पूर्णिमा: स्वयं को स्वयं से मिलाने वाला पावन क्षण
जब संसार रास्ते भूल जाए, तब गुरु चेतना का कम्पास बनते हैं

कृति आरके जैन

जब संसार प्रकाश के साधनों से जगमगा रहा हो, फिर भी मनुष्य का अंतर्मन अज्ञान, भ्रम और बेचैनी के अंधकार से घिरा हो, तब गुरु का महत्व और बढ़ जाता है। आज सूचनाओं का महासागर है, पर सत्य की निर्मल धारा दुर्लभ होती जा रही है। तकनीक ने जीवन सरल बनाया है, किंतु आत्मिक शांति और सही दिशा की खोज गहरी हुई है। ऐसे समय में गुरु पूर्णिमा केवल पर्व नहीं, बल्कि चेतना जागरण का वह अवसर है, जो मनुष्य को भीतर छिपे प्रकाश से परिचित कराता है। पूर्ण चंद्रमा की शीतल आभा संदेश देती है कि अंधकार प्रकाश के सामने टिक नहीं सकता। गुरु वह दिव्य ज्योति है, जो भ्रम हटाकर सत्य का मार्ग दिखाती है और जीवन को उद्देश्य से जोड़ती है। सच्चा गुरु केवल ज्ञान नहीं देता, बल्कि भीतर सोई चेतना को जगाकर श्रेष्ठ स्वरूप पहचानने की प्रेरणा देता है।

गुरु-शिष्य: अंतर्मन की ऊर्जा

युग बदले, साधन बदले, पर मनुष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता सही दिशा है। आज स्क्रीन की रोशनी में आंखें जाग रही हैं, पर भीतर का प्रकाश मंद पड़ रहा है। संबंध बढ़े हैं, संवाद घटा है; जानकारी बढ़ी है, पर समझ कम हुई है। ऐसे समय में गुरु-शिष्य संबंध केवल परंपरा नहीं, चेतना जागृत करने वाली शक्ति है। गुरु केवल शब्दों का ज्ञान नहीं देता, वह शिष्य के भीतर छिपे विश्वास, विवेक और सामर्थ्य को जगाता है। वह जीवन के कठिन मोड़ों पर दिशा देने वाला प्रकाशस्तंभ है, जो शिष्य को भीड़ में खोने नहीं देता, बल्कि स्वयं की पहचान तक पहुंचाता है। सच्चा गुरु मार्ग नहीं थोपता, बल्कि शिष्य को अपना मार्ग चुनने योग्य बनाता है। यही संबंध पीढ़ियों को आगे बढ़ाकर भीतर से श्रेष्ठ बनाता है।

प्रकृति: जीवन की पहली पाठशाला

मनुष्य ने किताबों में ज्ञान खोजा, पर जीवन के गहरे सत्य प्रकृति ने बिना शब्दों के सिखाए हैं। आज जब धरती अपने बदलते स्वरूप से मानव को चेतावनी दे रही है, तब समझने का समय है कि प्रकृति केवल जीवन का आधार नहीं, बल्कि हमारी सबसे बड़ी शिक्षक भी है। वृक्ष त्याग का अर्थ बताते हैं, नदियां रुकावटों के बीच आगे बढ़ना सिखाती हैं, पर्वत मौन रहकर संघर्ष की शक्ति दिखाते हैं और आकाश सीमाओं से परे सोचने की प्रेरणा देता है। सदियों से प्रकृति देती रही, पर हमने उसे केवल लेने की दृष्टि से देखा। गुरु पूर्णिमा का संदेश है कि प्रकृति को उपभोग की वस्तु नहीं, सम्मान की गुरु-दृष्टि से देखने की

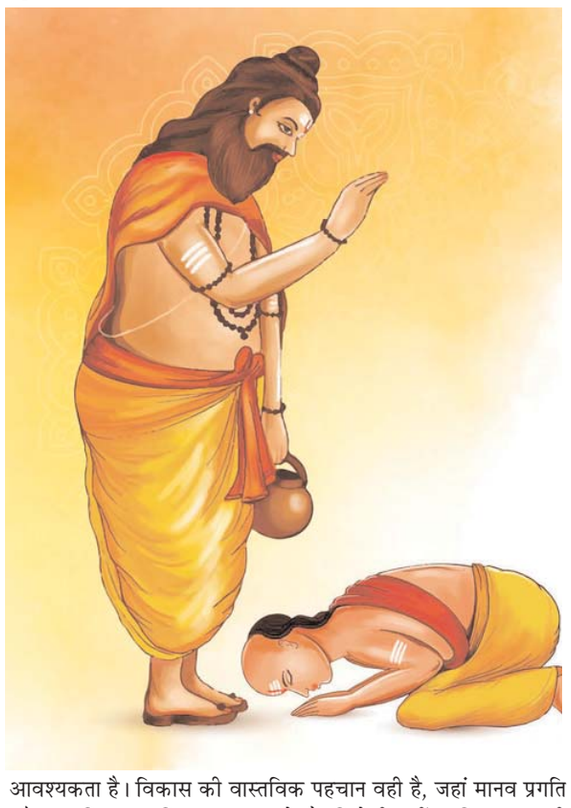

आवश्यकता है। विकास की वास्तविक पहचान वही है, जहां मानव प्रगति और प्रकृति का अस्तित्व एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि सहयात्री बनें।

मन: भीतर का गुरु

आज मनुष्य के पास हर सुविधा है, फिर भी मन के भीतर खालीपन बढ़ रहा है। बाहरी दुनिया जीतने की दौड़ में वह अंतर्मन की आवाज सुनना भूल गया है। चिंता, असंतोष और बेचैनी केवल परिस्थितियों नहीं, दृष्टिकोण की भी उपज हैं। ऐसे समय में गुरु वह शक्ति है, जो मन के अंधेरे को समझ का प्रकाश देती है। वह घावों को भरकर उन्हें जीवन की सीख में बदलने की क्षमता देता है। सच्चा गुरु संघर्षों से बचना नहीं, बल्कि उनके बीच संतुलित और शांत रहना सिखाता है। गुरु पूर्णिमा का संदेश है कि जीवन का सबसे बड़ा उपचार बाहरी साधनों में नहीं, बल्कि जागृत सोच, आत्मविश्वास और भीतर के प्रकाश को पहचानने में है।

संस्कृति: जड़ों का प्रकाश

दुनिया बदलने की दौड़ में सबसे बड़ा खतरा यह नहीं कि हम आगे बढ़ रहे हैं, बल्कि यह है कि कहीं अपनी पहचान पीछे न छोड़ दें। संस्कृति केवल रीति-रिवाजों का संग्रह नहीं, बल्कि पीढ़ियों के अनुभव, विचार और जीवन मूल्यों की धारा है। गुरु परंपरा इसी धारा को आगे बढ़ाने वाली शक्ति है, जो अलग-अलग सभ्यताओं को ज्ञान के सूत्र से जोड़ती है। भाषा, वेश और परंपराएं भले अलग हों, पर सत्य, करुणा और ज्ञान का भाव हर जगह एक होता है। गुरु पूर्णिमा हमें याद दिलाती है कि जड़ों से जुड़े रहकर ही हम विश्व को वास्तविक अर्थों में जोड़ सकते हैं। विविधता हमारी दूरी नहीं, मानवता की सुंदर पहचान है।

तकनीक: विवेक का स्पर्श

मानव ने मशीनों को सोचने की क्षमता दे दी, पर उन्हें महसूस करने की शक्ति नहीं दे सका। यही अंतर आने वाले समय में गुरु की भूमिका को महत्वपूर्ण बनाता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता सूचनाओं का संसार खोल सकती है, लेकिन सही और गलत के बीच अंतर करने का विवेक नहीं जगा सकती। आज आवश्यकता ऐसे मार्गदर्शकों की है, जो तकनीक की उड़ान को मानवता की जमीन से जोड़े रखें। ज्ञान की ऊंचाई तभी सार्थक है, जब उसमें संवेदना और नैतिकता का प्रकाश हो। गुरु पूर्णिमा का संदेश है कि भविष्य का नेतृत्व मशीनें नहीं, बल्कि जागृत चेतना वाले मनुष्य करेंगे, जो तकनीक को नियंत्रित करें और उसके प्रभाव में स्वयं को न खोएं।

संकल्प: दीप से दीप

अपने भीतर के प्रकाश को पहचानना ही गुरु पूर्णिमा का वास्तविक संदेश है। जीवन की सच्ची ऊंचाई तब है, जब हमारी सोच किसी को प्रेरणा दे, शब्द किसी टूटे मन को संबल दें और कर्म किसी के लिए आशा की किरण बन जाएं। हर मनुष्य में दूसरों के अंधकार को मिटाने की क्षमता छिपी है, बस उसे स्वार्थ से ऊपर उठकर पहचानने की आवश्यकता है। जब ज्ञान विनम्रता बने, शक्ति सेवा बने और जीवन प्रेरणा बन जाए, तभी गुरु परंपरा की सार्थकता सिद्ध होती है। स्वयं प्रकाश बनकर ही हम संसार में उजाला फैला सकते हैं। गुरु पूर्णिमा केवल गुरु वंदना नहीं, बल्कि स्वयं के भीतर छिपे प्रकाश को पहचानने का अवसर है। गुरु वह शक्ति है जो अज्ञान के पर्दे हटाकर विवेक की राह दिखाती है और जीवन को नई दृष्टि देती है। जब सोच में शुद्धता, कर्मों में संवेदना और मन में संतुलन आता है, तब व्यक्ति स्वयं प्रकाश का माध्यम बन जाता है। यही इस पावन पर्व का संदेश है—अंदर की ज्योति जगाएं और अपने अस्तित्व से दूसरों के जीवन में उजास भरें।

ज्ञान, बुद्धि और विवेक : जीवन की सबसे बड़ी संपत्ति

ज्ञान की नदी, बुद्धि का प्रवाह और विवेक का सागर

तेजबहादुर सिंह भुवाल

आज दुनिया अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। विज्ञान, तकनीक और संचार के क्षेत्र में हो रहे तेज़ विकास ने मनुष्य के जीवन को सुविधाजनक बना दिया है। एक क्लिक पर अनगिनत जानकारियाँ उपलब्ध हैं, लेकिन क्या केवल जानकारी का होना ही मनुष्य को महान बना देता है? इसका उत्तर स्पष्ट है—नहीं। जीवन को सार्थक बनाने के लिए ज्ञान के साथ बुद्धि और विवेक का होना अनिवार्य है। यही तीनों गुण व्यक्ति के चरित्र, व्यक्तित्व और भविष्य की वास्तविक पहचान बनते हैं।

ज्ञान वह प्रकाश है जो जीवन के अंधकार को दूर करता है। यह हमें शिक्षा, अनुभव, अध्ययन, प्रकृति और समाज से प्राप्त होता है। ज्ञान मनुष्य को जागरूक बनाता है, उसकी सोच का विस्तार करता है और उसे नई संभावनाओं से परिचित कराता है। किंतु केवल ज्ञान अर्जित कर लेना ही पर्याप्त नहीं है। यदि ज्ञान व्यवहार में न उतरे, तो वह पुस्तकों के पन्नों तक ही सीमित रह जाता है।

ज्ञान को सार्थक बनाने का कार्य बुद्धि करती है। बुद्धि वह क्षमता है, जो सही समय पर सही निर्णय लेने की शक्ति प्रदान करती है। जीवन में अनेक अवसर ऐसे आते हैं, जब व्यक्ति को कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। उस समय केवल जानकारी नहीं, बल्कि सूझ-बूझ और दूरदर्शिता काम आती है। बुद्धिमान व्यक्ति समस्याओं से घबराता नहीं, बल्कि उनका समाधान खोजता है। वह परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढालना जानता है और असफलताओं को भी सीखने का अवसर बना लेता है।

इन दोनों से भी श्रेष्ठ स्थान विवेक का है। विवेक वह आंतरिक चेतना है, जो हमें सही और गलत, न्याय और अन्याय, सत्य और असत्य के बीच अंतर करना सिखाती है। विवेक ही मनुष्य को नैतिक बनाता है। जब ज्ञान और बुद्धि के साथ विवेक जुड़ जाता है, तब व्यक्ति अपने निर्णय केवल स्वार्थ के आधार पर नहीं, बल्कि समाज और मानवता के हित को ध्यान में रखकर लेता है। यही गुण एक सामान्य व्यक्ति को असाधारण बना देता है।

वर्तमान समय में ज्ञान का विस्फोट हुआ है, लेकिन विवेक का संकट भी उतना ही गहरा दिखाई देता है। सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों ने सूचनाओं का अंबार खड़ा कर दिया है। बिना सत्यापन के खबरें साझा करना, अफवाहों पर विश्वास करना और बिना सोचे-समझे प्रतिक्रिया देना इस बात का संकेत है कि ज्ञान उपलब्ध है, पर विवेक का उपयोग कम हो रहा है। इसलिए आज आवश्यकता केवल शिक्षित लोगों की नहीं, बल्कि विवेकशील नागरिकों की है। हमारे परिवार, विद्यालय और समाज की जिम्मेदारी है कि वे नई पीढ़ी को केवल प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए नहीं, बल्कि बहुमूल्य जीवन के लिए तैयार करें। बच्चों में पढ़ने की आदत, प्रश्न पूछने का साहस, तर्क करने की क्षमता और नैतिक मूल्यों का विकास ही उन्हें सच्चे अर्थों में शिक्षित बनाएगा। चरित्र के बिना ज्ञान विनाश का कारण बन सकता है, जबकि विवेकयुक्त ज्ञान समाज के विकास का आधार बनता है।

इतिहास इस बात का साक्षी है कि महान व्यक्तियों की पहचान केवल उनके ज्ञान से नहीं, बल्कि उनके विवेकपूर्ण निर्णयों से बनी। उन्होंने अपने ज्ञान और बुद्धि का उपयोग मानवता के कल्याण के लिए किया। यही कारण है कि उनका जीवन आज भी प्रेरणा का स्रोत है। ज्ञान हमें सीखने की प्रेरणा देता है, बुद्धि हमें सोचने की क्षमता प्रदान करती है और विवेक हमें सही मार्ग पर चलने की शक्ति देता है। यदि इन तीनों का संतुलित विकास हो जाए, तो व्यक्ति न केवल अपने जीवन में सफलता प्राप्त करता है, बल्कि समाज और राष्ट्र के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आज की सबसे बड़ी आवश्यकता यही है कि हम केवल ज्ञानवान बनने का प्रयास न करें, बल्कि बुद्धिमान और विवेकशील भी बनें। यही जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि और सच्ची संपत्ति है।

महाभारत में महर्षि वेदव्यास ने कहा है कि सभी प्राणियों में मनुष्य सबसे श्रेष्ठ है। इसका कारण उसकी शक्ति, ज्ञान या बुद्धि नहीं, बल्कि उसका विवेक है। विवेक ही मनुष्य को सही और गलत, उचित और अनुचित का निर्णय लेने की क्षमता देता है। यही गुण उसे अन्य प्राणियों से अलग और श्रेष्ठ बनाता है।आज जब विवेक का स्थान स्वार्थ ने ले लिया है, तब समाज में अपराध, नशाखोरी, मिलावट, भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी, हिंसा, तनाव और आपसी वैमनस्य जैसी समस्याएँ बढ़ती जा रही हैं। इन बुराइयों ने मनुष्य को सुख और शांति से दूर कर दिया है। भौतिक सुविधाएँ बढ़ने के बावजूद मानसिक संतोष और आत्मिक शांति कम होती जा रही है। मनुष्य एक सामाजिक और जिम्मेदार प्राणी है। उसकी श्रेष्ठता तभी सार्थक है, जब वह अपने विवेक का सही उपयोग करे। विवेक ही वह प्रकाश है, जो हमें सही राह दिखाता है और सत्य-असत्य, न्याय-अन्याय तथा अच्छे-बुरे में अंतर करना सिखाता है। यदि प्रत्येक व्यक्ति विवेकपूर्ण जीवन अपनाए, तो न केवल उसका अपना जीवन सुखी होगा, बल्कि समाज भी अधिक संवेदनशील, शांतिपूर्ण और मानवीय बनेगा।जीवन की वास्तविक सफलता केवल अधिक जानने में नहीं, बल्कि सही समझने और सही कार्य करने में है। ज्ञान हमें जानकारी देता है, बुद्धि उसे समझने की क्षमता देती है और विवेक उस समझ को मानवता, नैतिकता और लोककल्याण की दिशा में ले जाता है। जब ज्ञान, बुद्धि और विवेक एक साथ जीवन में उतरते हैं, तभी व्यक्ति केवल सफल नहीं, बल्कि आदर्श और प्रेरणास्रोत भी बनता है। यही वह मार्ग है जो एक सशक्त समाज, जागरूक नागरिक और विकसित राष्ट्र की नींव रखता है।

मेष राशि- आज का दिन आपके लिए नई ताजगी से भरा रहने वाला है। आज आपके साकारात्मक व्यक्तित्व से लोग आपसे प्रभावित होंगे। आज आप किसी सामाजिक समारोह में हिस्सा लेंगे जहाँ आपकी मुलाकात किसी बड़े राजनीतिक पद वाले व्यक्ति से होगी साथ ही नए संपर्क बनेगे।

वृष राशि- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आज अपनी खास बात किसी से शेयर ना करें। आज माता जी की सलाह से लिया गया निर्णय भविष्य में लाभदायक साबित होगा।आज रोजमर्रा के काम से दूर कहीं प्रकृति की खूबसूरत वादियों में समय बिताएंगे।

मिथुन राशि- आज का दिन आपके जीवन में नए परिवर्तन लेकर आने वाला है। आज आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक बदलाव आएगा और रहन-सहन के प्रति आपका अधिक सजग रहना लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बनेगा। आज रुके हुए किसी काम को पूरा करने के लिए उचित समय है। वो पैसा जो उधार देकर वापस पाने की उम्मीद छोड़ चुके थे आज आपको वापस मिल सकता है।

कर्क राशि- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आपने अपनी दिनचर्या और काम करने के तरीके में बदलाव लाने के लिए जो योजनाएं बनाई हैं, आज उन पर अमल करने का उचित समय है।

सिंह राशि- आज का दिन आपके लिए नई उमंगों से भरा रहने वाला है। किसी नए काम की शुरुआत से पहले उसके बारे में पूरी जानकारी अवश्य करें। आज आप अपनी कार्य योजनाओं को किसी के साथ भी शेयर ना करें। आज अचानक धनलाभ होने से आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

कन्या राशि- आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आज आस- पास के लोगों के लिए आपका व्यवहार अच्छा रहेगा, आपके अंदर नयी ऊर्जा का संचार होगा। बिजनेस में आपको मेहनत के बहुत अच्छे नतीजे हासिल होंगे।

तुला राशि- आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। यदि घर या प्रॉपर्टी से जुड़ी योजना बन रही है, तो आज उसके पूरा होने का समय आ गया है। आज का समय आपके लिए उपलब्धियों वाला है। आज जीवनसाथी की सफलता से आपको गर्व होगा।

वृश्चिक राशि- आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आप किसी व्यक्ति विशेष के बारे में सोच कर रोमांचित रहेंगे। आज आपको कुछ नए अनुभव मिल सकते हैं। आप नए कामों की योजनाएं बनाएंगे और उसे आगे बढ़ाने के लिए मित्रों का सहयोग भी मिलेगा।

धनु राशि- आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज किसी करीबी की सलाह मिलने से आपका हौसला बढेगा और आप काम को बढ़िया तरीके से करेंगे। आज पारिवारिक फरमाइशों को पूरा करने में में अधिक बीतेगा। करियर को बेहतर बनाने के लिये आज आप किसी अनुभवी व्यक्ति के साथ मिलकर कुछ बेहतर प्लान करेंगे।

मकर राशि- आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आप मार्केटिंग और मीडिया से जुड़े कामों पर अधिक ध्यान देंगे कुछ नई योजनाएं भी बनाएंगे। आज आपकी इनकम अच्छी रहेगी। आज पैतृक संपत्ति से संबंधित मामला सुलझ जाएगा। मेडिकल स्टोर चला रहे लोगों को आज रोज की अपेक्षा ज्यादा मुनाफा होगा।

कुम्भ राशि- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। लोगों के मन में आपके प्रति सम्मान का भाव रहेगा यह देखकर आपको खुशी होगी।

मीन राशि- आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आज अपनी कार्यप्रणाली में बदलाव लाने से आने वाले दिनों मे आपको सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। आपका जो उद्देश्य है, उससे जुड़े विचारों पर ध्यान देने की कोशिश करें। मित्रों के साथ बिताए हुए समय को सोचकर सुकून मिलेगा।

जल संरक्षण अब सिर्फ परियोजना नहीं, राष्ट्रीय संस्कार बनना चाहिए

[वर्षा की हर बूंद को धरती तक पहुँचाना ही सबसे बड़ी जल नीति है]
[जल का भविष्य इंजीनियरिंग नहीं, दूरदृष्टि और अनुशासन तय करेंगे]

प्रो. आरके जैन अरिजीत

भारत का जल संकट नदियों में घटते प्रवाह से अधिक, हमारी नीतियों में घटती दूरदृष्टि का संकट है। विडंबना यह है कि जिस देश ने वर्षा को उत्सव, नदी को जीवन और तालाब को गांव की धड़कन माना, वही आज पानी को विशाल परियोजनाओं और टैंकरों के बीच खोज रहा है। स्थिति चिंताजनक है। विश्व की लगभग 18 प्रतिशत आबादी का भार उठाने वाला भारत विश्व के केवल 4 प्रतिशत नवीकरणीय मीठे जल संसाधनों पर निर्भर है। मानसून की अनिश्चितता, भूजल का अंधाधुंध दोहन और अनियोजित शहरी विस्तार इस संकट को और गहरा रहे हैं। ऐसे समय में बहस यह नहीं होनी चाहिए कि समाधान नदियों को जोड़ने में है या वर्षा जल संचयन में। असली प्रश्न यह है कि क्या जल केवल उपभोग की वस्तु बना रहेगा, या हम उसे राष्ट्रीय अस्तित्व का आधार मानकर उसकी हर बूंद का सम्मान करना सीखेंगे। जल प्रबंधन की सफलता के महत्वपूर्ण पैमानों में नदी जोड़ो परियोजनाएं भी शामिल हैं। 44,605 करोड़ की केन-बेतवा लिंक परियोजना भारत की पहली अंतर-बेसिन नदी जोड़ने की पहल है, जो बुंदेलखंड जैसे सूखाग्रस्त क्षेत्र के लिए नई उम्मीद बनी है। वर्ष 2026 में इसका निर्माण तेजी से चल रहा है, लेकिन पन्ना और छतरपुर में विस्थापन, पुनर्वास और आदिवासी अधिकारों को लेकर विवाद जारी हैं। यह याद दिलाता है कि विकास केवल इंजीनियरिंग का नहीं, सामाजिक विश्वास का भी विषय है। केन का जल बेतवा तक पहुंचाने की योजना जितनी आकर्षक है, उतना ही गंभीर प्रश्न नदी के प्राकृतिक प्रवाह, वन्यजीवों और मिट्टी की उर्वरता पर उसके प्रभाव का है। यही चिंता चेनाब-बीस टनल और नर्मदा-सोन लिंक जैसी परियोजनाओं पर भी लागू होती है। यदि ये योजनाएं स्थानीय पारिस्थितिकी के अनुरूप नहीं बढ़ीं, तो जल संकट का समाधान करते-करते प्रकृति के लिए नया संकट खड़ा कर देंगी।

वर्षा जल संचयन को वर्षों तक सहायक उपाय मानकर उसकी वास्तविक शक्ति को कम आंका गया। जबकि सच यह है कि आसमान से गिरने वाली हर बूंद पूरे समाज की पूंजी है। कैच द रेन अभियान के तहत देशभर में हजारों रिचार्ज संरचनाएं बनीं, लेकिन दिल्ली, पुणे और गोवा जैसे शहरों में रखरखाव के अभाव में अनेक प्रणालियां निष्क्रिय हैं। इससे स्पष्ट है कि संकट संसाधनों का नहीं, संरक्षण की जिम्मेदारी का है। यदि हर नया भवन, सड़क, औद्योगिक क्षेत्र और सार्वजनिक परिसर वर्षा जल संचयन से जुड़ जाए, तो भूजल पुनर्भरण में अभूतपूर्व वृद्धि हो सकती है। यह व्यवस्था बड़े बांधों की तुलना में कम लागत वाली, विकेंद्रीकृत, कम जोखिम वाली, समुदाय आधारित और जलवायु परिवर्तन के अनुकूल है। भारत की जल सुरक्षा केवल नदियों से नहीं, वर्षा की हर बूंद से भी तय होगी।

समाधान किसी एक विकल्प में नहीं, दोनों के संतुलित समन्वय में है। बड़ी नदी जोड़ो परियोजनियां वहां काम करें, जहां जल का क्षेत्रीय असंतुलन है; वहीं वर्षा जल संचयन हर गांव, हर खेत और हर मोहल्ले को अपनी जलधारा बनाने का आधार बने। राजस्थान के जोहड़, तमिलनाडु की एरी प्रणाली और गुजरात के चेकडैम वर्षों से सिद्ध कर रहे हैं कि स्थानीय परंपरा और आधुनिक तकनीक का मेल ही स्थायी जल प्रबंधन की कुंजी है। इसके साथ फसल चक्र में बदलाव, अधिक पानी मांगने वाली फसलों का पुनर्मूल्यांकन, ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई का विस्तार तथा भूजल के अंधाधुंध दोहन पर कठोर नियंत्रण भी अनिवार्य है। अब जल प्रबंधन का लक्ष्य केवल आपूर्ति बढ़ाना नहीं, बल्कि डिमांड मैनेजमेंट होना चाहिए। क्योंकि बचाई गई हर बूंद, नई उपलब्ध कराई गई हर बूंद जितनी ही मूल्यवान होती है।जल का प्रश्न अब केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं, बल्कि आर्थिक संतुलन और सामाजिक न्याय का भी विषय है। एक ओर शहरों में पानी की फिजूलखर्ची है, दूसरी ओर गांव जीवन की मूल आवश्यकता के लिए संघर्ष कर रहे हैं। यह असमानता स्वीकार्य नहीं हो सकती। इसलिए उद्योगों को वॉटर पॉजिटिव बनना होगा, ताकि वे जितना जल उपयोग करें, उससे अधिक संरक्षण और भूजल पुनर्भरण में योगदान दें। स्कूलों और महाविद्यालयों में कार्यात्मक वर्षा जल संचयन व्यवस्था केवल औपचारिकता नहीं, अनिवार्यता बने। किसानों को इन-सिटू जल संचयन के लिए प्रोत्साहित किया जाए, ताकि खेत ही वर्षा का पहला जलाशय बनें। जल संरक्षण तभी सफल होगा, जब नीति और नागरिक समान जिम्मेदारी निभाएंगे।

जल संकट का स्थायी समाधान नीतियों से पहले सोच बदलने में है। हमने पानी को प्रकृति का उपहार तो माना, पर उसके संरक्षण को अपना दायित्व नहीं समझा। अब यह दृष्टि बदलनी होगी। जल संरक्षण किसी मंत्रालय का कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संस्कार बनना चाहिए। हर नागरिक अपनी छत को जलग्रहण क्षेत्र, अपनी भूमि को पुनर्भरण क्षेत्र और अपनी जीवनशैली को संरक्षण का माध्यम बनाए। सरकारें बांध, नहरें और योजनाएं बना सकती हैं, लेकिन यदि समाज पानी को केवल उपभोग की वस्तु मानता रहा, तो कोई भी परियोजना स्थायी परिणाम नहीं दे सकेगी। जल का भविष्य फाइलों में नहीं, नागरिक चेतना में सुरक्षित होगा।

K K

राष्ट्रीय समाचार

मंगलवार 28 जुलाई 2026,नर्मदापुरम् (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

सदाचारी मनुष्य समाज में प्रतिष्ठा और सज्जनों का आदर प्राप्त करता है : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सोमवार को सुभाषित शेयर किया है। प्रधानमंत्री की ओर से एक्स पोस्ट में संस्कृत श्लोक, शीलवान् पूजितो लोके, शीलवान् साधुसम्मतः। शीलवान् सर्वकर्माहः, शीलवान् प्रियदर्शनः॥ शेयर किया गया है। जिसका हिंदी अर्थ है- सदाचारी मनुष्य समाज में प्रतिष्ठा और सज्जनों का आदर प्राप्त करता है। उत्तम चरित्र से युक्त व्यक्ति अपने सत्यनिष्ठा, विनम्र, और मर्यादित आचरण के कारण प्रत्येक उत्तरदायित्व के योग्य माना जाता है; उसका व्यक्तित्व सभी के लिए आकर्षक और अनुकरणीय होता है। वास्तव में, सफलता, प्रभावी नेतृत्व, और अटूट विश्वास का वास्तविक आधार उत्तम चरित्र ही है।

पीएम ने 24 जुलाई को भी सोशल मीडिया पर सुभाषित शेयर किया था। उन्होंने श्लोक, कर्मणा मनसा वाचा यदभीक्ष्णं निषेवते। तदेवापहरत्येनं तस्मात्कल्याणमाचरेत्॥ साझा किया था, जिसका हिंदी अर्थ है- मनुष्य अपने कर्मों, विचारों और वचनों के द्वारा जिस किसी भी विषय का निरन्तर अभ्यास करता है, वही अन्ततः उसके व्यक्तित्व को ढालकर उसे उसी दिशा में खींच ले जाता है, इसलिए मनुष्य को सदैव अपने चिंतन और संवाद में केवल कल्याणकारी विषयों को ही स्थान देना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने 23 जुलाई को सुभाषित शेयर करते हुए लिखा था, यश्चायमस्मिन्नाकाशे तेजोमयोऽमृतमयः पुरुषः सर्वानुभूः। यश्चायमस्मिन्नात्मनि तेजोमयोऽमृतमयः पुरुषः सर्वानुभूः।। जिसका हिंदी अर्थ है कि विस्तृत आकाश या अन्तरिक्ष में जो शक्तिमयी शाश्वत सत्ता है, वही हमारी आत्मा में भी है। इसलिए कहा भी गया है - जो पिण्ड या कण-कण में है, वही ब्रह्माण्ड में है।

फिल्म काला हिरण पर दिल्ली हाई कोर्ट का सख्त निर्देश, सलमान खान को बड़ी राहत

नई दिल्ली (आरएनएस)। सलमान खान के चर्चित काला हिरण शिकार मामले से प्रेरित फिल्म काला हिरणः द बैटल फॉर लेगेसी का आधिकारिक टीजर पिछले दिनों जारी हुआ था। अब दिल्ली हाई कोर्ट ने टीजर और उससे संबंधित विभिन्न लिंक को हटाने का निर्देश दिया है। कोर्ट का यह फैसला अभिनेता की ओर से फिल्म पर प्रतिबंध लगाने की याचिका पर सुनवाई करते हुए आया है। जस्टिस ज्योति सिंह ने मौखिक रूप से कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि यह सब बंद होना चाहिए।

काला हिरण के खिलाफ सलमान ने अपनी याचिका दायर में कहा था कि ये फिल्म उनके व्यक्तित्व अधिकारों का गैरकानूनी रूप से दुरुपयोग करती है। इसमें उनसे जुड़ी घटनाओं को गलत तरीके से पेश किया गया है।

27 जुलाई को सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा, एक बार खोई हुई प्रतिष्ठा हमेशा के लिए खो जाती है।जज ने निर्माताओं को निर्देश दिया कि 24 घंटे के अंदर फिल्म से जुड़े लिंक को एक्स और यूट्यूब से हटाया जाए।अमित जानी द्वारा निर्मित फिल्म काला हिरण के अब तक 2 आधिकारिक टीजर जारी किए जा चुके हैं। अभिनेता की ओर से आरोप लगाते हुए दावा किया गया है कि फिल्म के पोस्टर में हमशक्ल को राइफल या बंदूक पकड़े हुए दिखाया गया है, जिससे न्यायिक अभिलेखों के विपरीत एक भ्रामक कहानी गढ़ी गई है। यही कारण है कि उन्होंने फिल्म और उससे जुड़ी सामग्री पर रोक लगाने के लिए कोर्ट का रुख किया था।

महाराष्ट्र के अहिल्यानगर में 19 वर्षीय नीट अभ्यर्थी अंकिता ने आत्महत्या की, सुसाइड नोट में बताई पीड़ा

अहिल्यानगर (महाराष्ट्र),(आरएनएस)। महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-स्नातक) की 19 वर्षीय अभ्यर्थी अंकिता सुरेश सांगले की मृत्यु के बाद परीक्षा व्यवस्था और विद्यार्थियों पर बढ़ते मानसिक दबाव को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। अंकिता कर्जत तालुका के जलालपुर गांव की निवासी थीं। उन्होंने हाल ही में आयोजित नीट पुनर्परीक्षा में भाग लिया था।

परिजनों के अनुसार, पुनर्परीक्षा के परिणाम में अंकिता को 166 अंक प्राप्त हुए थे। इसके बाद शनिवार दोपहर उनके घर में उनका शव मिला। घटना के समय उनके पिता सुरेश सांगले देवदर्शन के लिए पंढरपुर गए हुए थे।

पुलिस को घटनास्थल से मराठी भाषा में लिखा एक हस्तलिखित पत्र मिला है। उसमें अंकिता ने लिखा कि उनके माता-पिता और भाई ने उन्हें हमेशा प्रेम और सहयोग दिया तथा उनकी मृत्यु के लिए परिवार का कोई सदस्य जिम्मेदार नहीं है। उन्होंने यह भी लिखा कि नीट की तैयारी के दौरान परिवार ने उनके लिए हर संभव त्याग किया, लेकिन वह उनकी अपेक्षाओं के अनुरूप सफलता प्राप्त नहीं कर सकीं।अंकिता के पिता सुरेश सांगले ने बताया कि उनकी पुत्री को पुनर्परीक्षा में 300 से अधिक अंक मिलने की उम्मीद थी, लेकिन परिणाम अपेक्षा के अनुरूप नहीं आया। उनका कहना है कि परिणाम आने के बाद वह काफी तनाव में रहने लगी थीं और डॉक्टर बनने का अपना सपना पूरा न हो पाने से निराश थीं। घटना की जानकारी मिलने के बाद सांसद नीलेश लंका ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस मामले को संसद के आगामी सत्र में उठाया जाएगा, ताकि परीक्षा प्रणाली, पुनर्परीक्षा और विद्यार्थियों पर पड़ने वाले मानसिक दबाव जैसे मुद्दों पर गंभीर चर्चा हो सके।यह घटना एक बार फिर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों पर बढ़ते मानसिक दबाव और उन्हें समय पर भावनात्मक एवं मनोवैज्ञानिक सहयोग उपलब्ध कराने की आवश्यकता को रेखांकित करती है।

पंजाब के संगरूर में भाजपा कार्यालय पर पेट्रोल बम से हमला

संगरूर (पंजाब)(आरएनएस)। पंजाब के संगरूर जिले में भाजपा के जिला कार्यालय पर पेट्रोल बम से हमला हुआ है। हमले से इमारत की चारदिवारी का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है। हमला सोमवार तड़के 3 बजे हुआ है। विस्फोटक कार्यालय के बगल वाली सड़क से फेंका गया था। घटना की सूचना पर पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंच गई हैं। इलाके में सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। इलाके को घेर लिया गया है।संगरूर पुलिस अधिकारियों ने बताया कि भाजपा कार्यालय में बीयर की बोतल में पेट्रोल भरकर फेंका गया था, अपराधियों उससे पेट्रोल बम बनाया था।भाजपा कार्यालय के रखरखाव करने वाले ने सोमवार सुबह एक स्थानीय भाजपा नेता को आग लगने की सूचना दी थी, जिसके बाद पंजाब भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों और पुलिस मौके पर पहुंची।भाजपा ने अभी तक किसी के ऊपर आरोप नहीं लगाया है। पुलिस भी मामले में पड़ताल कर रही है।

प्रधानमंत्री मोदी एक महीने में एससीओ, ब्रिक्स और यूएनजीए सम्मेलनों में लेंगे हिस्सा

-भारत की कूटनीतिक भूमिका होगी और मजबूत

नईदिल्ली (आरएनएस)। वैश्विक कूटनीति के मंच पर भारत बेहद व्यस्त और महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगस्त-सितंबर में एक डिप्लोमैटिक मैराथन (राजनयिक अभियान) पर रहेंगे, जिसमें वे एक महीने में 3 बड़े बहुपक्षीय शिखर सम्मेलनों में हिस्सा लेंगे। किर्गिस्तान में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के बाद भारत ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा और फिर न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में संबोधन के साथ इसका समापन होगा। आइए इन यात्राओं की अहमियत जानते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के इस कूटनीतिक सफर की शुरुआत किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में होने वाले एससीओ शिखर सम्मेलन से होगी।इसके सदस्य देशों में भारत के साथ चीन, रूस, पाकिस्तान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, ईरान और बेलारूस शामिल हैं। मूल रूप से क्षेत्रीय सुरक्षा और आतंकवाद-विरोधी गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए स्थापित इस समूह ने अपने एजेंडे में संपर्क, ऊर्जा सहयोग, व्यापार और क्षेत्रीय स्थिरता जैसे विषयों को भी शामिल किया है। भारत के लिए यह शिखर सम्मेलन प्रमुख यूरेशियाई शक्तियों के साथ आतंकवाद, उग्रवाद, क्षेत्रीय सुरक्षा और संपर्क जैसे मुद्दों पर चर्चा करने का अवसर प्रदान करता है।यह बैठक इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें उन देशों के नेता एक साथ आ रहे हैं जिनके साथ भारत के जटिल द्विपक्षीय संबंध हैं, जिनमें चीन और पाकिस्तान शामिल हैं।इसके साथ ही दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदार रूस भी शामिल है। इससे भारत अपनी पैठ बढ़ाना चाहेगा। किर्गिस्तान से लौटने के कुछ ही दिनों बाद पूरा वैश्विक ध्यान भारत की राजधानी नई दिल्ली पर केंद्रित हो जाएगा, जहां भारत अपनी अध्यक्षता में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। भारत ने इस वर्ष की अध्यक्षता के लिए लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण विषय को अपनाया है। ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका द्वारा गठित इस समूह का काफी विकास हुआ है। इसमें पश्चिम एशिया और अफ्रीका के अतिरिक्त सदस्य भी शामिल हुए हैं। ब्रिक्स समूह में पश्चिम एशिया और अफ्रीका के नए देशों के जुड़ने के बाद यह अब वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा संसाधनों का एक बहुत बड़ा केंद्र बन चुका है।

भारत इस मंच के जरिए विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की मजबूत आपूर्ति श्रृंखला, डिजिटल नवाचार, जलवायु कार्रवाई और ग्लोबल साउथ की चिंताओं को प्रमुखता से उठाएगा। इस सम्मेलन की मेजबानी से भारत उच्च स्तरीय राजनयिक गतिविधियों के केंद्र में आएगा क्योंकि कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष द्विपक्षीय वार्ता के लिए आएंगे। इस व्यस्त अभियान का अंतिम पड़ाव न्यूयॉर्क होगा, जहां प्रधानमंत्री मोदी यूएनजीए के 80वें सत्र को संबोधित करेंगे। इसमें भारत वैश्विक संघर्षों, मानवीय संकटों और जलवायु परिवर्तन जैसे अंतरराष्ट्रीय मुद्दों के बीच वैश्विक शासन संस्थानों, विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनजीए) में सुधारों की अपनी पुरानी मांग को दोहराएगा।

पंजाब के जालंधर में वाल्मीकि संगठनों द्वारा बुलाए गए पंजाब बंद के दौरान लोग प्रदर्शन में हिस्सा लेते हुए।

ई20 को लेकर बड़े आंदोलन की तैयारी में आम आदमी पार्टी, केजरीवाल ने किया आह्वान

नईदिल्ली (आरएनएस)। देशभर में इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल ई20 को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ युवाओं और कार प्रेमियों में जबरदस्त विरोध देखने को मिल रहा है, जिसे आम आदमी पार्टी (आप) सड़क पर उतारने की तैयारी कर रही है। सोमवार को पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बताया कि पार्टी इस शनिवार को ई20 के विरोध में नेशनल टाउनहॉल का आयोजन करने जा रही है। उन्होंने सभी लोगों से इस कार्यक्रम में जुड़ने का आह्वान किया है।केजरीवाल ने एक वीडियो संदेश में कहा, पेपर लीक के बाद अब देश के युवाओं ने एक होकर आवाज़ उठाई तो धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफ़ा देना पड़ा। ई20 पर भी हमें एक होकर आवाज़ उठानी पड़ेगी। इस शनिवार हम नेशनल टाउनहॉल अगेंस्ट ई20 आयोजित कर रहे हैं, जिसमें शामिल होकर आप ई20 पर अपनी बात रख सकते हैं। आप इसमें ऑनलाइन भी शामिल हो सकते हैं।यह आयोजन 1 अगस्त को सुबह साढ़े 11 बजे कांस्टिट्यूशन क्लब दिल्ली में होगा।केजरीवाल ने मामले की जानकारी प्रेस कॉन्फ्रेंस से भी दी।केजरीवाल ने कहा, मेरी प्रधानमंत्री से निवेदन है कि लगे हाथ ई20 का भी मामला ठीक कर दो। लोग बहुत परेशान हैं, उनकी गाड़ियां और माइलेज खराब हो रहा है।

बिहार में प्रदर्शनकारी छात्रों पर एके-47 से गोलीबारी करते दिखा पुलिसकर्मी निलंबित, सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर

पटना,(आरएनएस)। बिहार में 25 जुलाई को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर हुए छात्र प्रदर्शन के दौरान सिवान में पुलिस द्वारा गोलीबारी किए जाने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। घटना के दौरान एक पुलिसकर्मी को एके-47 रायफल से गोली चलाते हुए देखे जाने का वीडियो सामने आने के बाद संबंधित पुलिसकर्मी को निलंबित कर दिया गया है। इस गोलीबारी में तीन प्रदर्शनकारी छात्र घायल हुए थे, जिनका पटना स्थित जयप्रभा मेदांता अस्पताल में उपचार चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार तीनों की हालत फिलहाल स्थिर है।

घटना को लेकर राज्यसभा सांसद मनोज कुमार झा ने उच्चतम न्यायालय में जनहित याचिका दायर कर मामले की न्यायिक जांच तथा दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

गोलीबारी में 15 वर्षीय मोहम्मद आरिफ भी घायल हो गए थे। परिजनों के अनुसार आरिफ किसी प्रदर्शन में शामिल नहीं थे, बल्कि एक दुकान में काम करने के बाद दुकान बंद कर घर लौट रहे थे। इसी दौरान उनकी गर्दन में गोली लग गई।

परिवार का कहना है कि चिकित्सकों ने शल्य चिकित्सा कर गोली निकाल दी है और अब उनकी स्थिति खतरे से बाहर है।

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने सामाजिक माध्यम पर गोलीबारी का वीडियो साझा करते हुए सरकार से जवाब मांगा है।

नीट प्रश्नपत्र लीक प्रकरण को लेकर 25 जुलाई को बिहार में राज्यव्यापी बंद का आह्वान किया गया था। इस दौरान छात्र संगठनों ने कई जिलों में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किए।

सपा सांसदों की सरकार से अपील, कहा-सिर्फ कड़ा कानून काफी नहीं, युवाओं पर दर्ज मुकदमे वापस ले सरकार

नई दिल्ली (आरएनएस)। संसद के मॉनसून सत्र के दौरान सोमवार को लोकसभा में केंद्र सरकार पब्लिक एग्जामिनेशन्स (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन बिल, 2026 पेश करने जा रही है। सरकार का उद्देश्य सार्वजनिक परीक्षाओं में पेपर लीक, नकल और अन्य अनुचित साधनों पर रोक लगाने के लिए मौजूदा कानून को और सख्त बनाना है। समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसदों ने इस प्रस्तावित संशोधन पर सवाल उठाते हुए कहा है कि केवल कानून कड़ा करने से समस्या का समाधान नहीं होगा। पार्टी ने परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार और प्रशासनिक जवाबदेही की आवश्यकता पर जोर दिया। सपा अध्यक्ष एवं सांसद अखिलेश यादव ने सरकार पर छात्रों और युवाओं के खिलाफ कार्रवाई करने का आरोप लगाया। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि विभिन्न स्थानों पर छात्रों और युवाओं पर मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं जबकि सरकार को उनकी जागरूकता और लोकतांत्रिक आवाज का सम्मान करना चाहिए। उनके अनुसार, सरकार जनता की चेतना को चुनौती देने की कोशिश कर रही है लेकिन यही जागरूकता अब सरकार के लिए चुनौती बन गई है। अखिलेश यादव ने कहा कि इस मुद्दे पर विपक्षी दल आपस में चर्चा करेंगे और आगे की रणनीति तय करेंगे। उन्होंने संकेत दिया कि परीक्षा प्रणाली, युवाओं के हितों और सरकार की नीतियों को लेकर विपक्ष संयुक्त रूप से अपनी आगे की कार्रवाई का निर्णय करेगा।सपा सांसद रामगोपाल यादव ने प्रस्तावित संशोधन विधेयक की प्रभावशीलता पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि केवल कठोर दंड का प्रावधान करने से अपराध समाप्त नहीं होते।उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि भारतीय दंड संहिता में हत्या जैसे अपराधों के लिए आजीवन कारावास और मृत्युदंड जैसी कठोर सजाएं होने के बावजूद हत्याएं नहीं रुकतीं। इसी तरह, पेपर लीक जैसी घटनाओं को भी केवल कानून बनाकर नहीं रोका जा सकता। रामगोपाल यादव ने कहा कि पेपर लीक की घटनाएं मुख्य रूप से उन स्थानों से होती हैं जहां प्रश्नपत्र तैयार किए जाते हैं, जहां उनकी छपाई होती है या फिर उन प्रभावशाली कोचिंग संस्थानों के माध्यम से, जिनकी संबंधित तंत्र तक पहुंच होती है।

इस्तीफे के बाद पहली बार संसद पहुंचे धर्मेंद्र प्रधान, बीजेपी सांसदों ने जिंदाबाद के नारे लगाए

नई दिल्ली (आरएनएस)। पिछले हफ्ते छात्रों के जोरदार प्रदर्शन के बाद शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफा देने के बाद धर्मेंद्र प्रधान आज सोमवार को जब संसद भवन पहुंचे तो मकर द्वार पर बीजेपी सांसदों ने उनका जोरदार स्वागत किया. उनके समर्थन में नारे में भी लगाए गए. बीजेपी सासंदों ने प्रधान जिंदाबाद के नारे भी लगाए. इस्तीफे के बाद प्रधान पहली बार सार्वजनिक तौर पर दिखाई दिए. संसद के मकर द्वार पर ही कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा समेत विपक्ष के कई सांसद भी विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं. वे जंतर-मंतर पर सीजेपी की अगुवाई में हुए छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान 20 जुलाई को हुई घटना के लिए केंद्रीय गृह मंत्री (अमित शाह) की जवाबदेही की मांग कर रहे हैं. इससे पहले धर्मेंद्र प्रधान ने पिछले हफ्ते शनिवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया. इस इस्तीफे के बाद कॉकरोच जनता पार्टी ने अपना आंदोलन खत्म कर लिया. इस्तीफे के कुछ देर बाद ही केंद्र सरकार के प्रतिनिधियों और कॉकरोच जनता पार्टी के प्रतिनिधिमंडल के बीच हुई तीसरे दौर की बैठक हुई जिसमें आंदोलन खत्म करने को लेकर सहमति बनी.धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए कहा कि जंतर-मंतर पर और देश में जो स्थिति बनी है, उसका देश विरोधी ताकतें फायदा न उठा पाएं और देश की एकता बनी रहे।

रात के 2 बजे काजल-लिपस्टिक लगाती है मेरी पत्नी; पति के तलाक मांगने पर अदालत ने क्या कहा

रांची,(आरएनएस)। झारखंड हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि देर रात किसी महिला का सजना-संवरना उसे मानसिक रूप से बीमार साबित नहीं करता। अदालत ने कहा कि नई-नवेली दुल्हन का किसी भी समय काजल या लिपस्टिक लगाना सामान्य व्यवहार है और केवल इस आधार पर उसकी मानसिक स्थिति पर सवाल नहीं उठाया जा सकता।

जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस संजय प्रसाद की खंडपीठ ने गिरिडीह फैमिली कोर्ट के उस आदेश को बरकरार रखा, जिसमें पति की तलाक की याचिका खारिज कर दी गई थी।

मामले में पति ने दावा किया था कि वर्ष 2015 में विवाह के बाद एक रात करीब दो बजे उसने अपनी पत्नी को अलमारी के सामने खड़े होकर काजल और लिपस्टिक लगाते देखा। इसी घटना के आधार पर उसे पत्नी के मानसिक रूप से बीमार होने का संदेह हुआ। उसका आरोप था कि पत्नी के परिवार ने विवाह से पहले यह तथ्य छिपाया था।

हालांकि, हाईकोर्ट ने कहा कि पति अपने दावों के समर्थन में कोई भी मनोचिकित्सक, मेडिकल रिपोर्ट या अन्य विशेषज्ञ साक्ष्य पेश नहीं कर सका। अदालत ने स्पष्ट किया कि केवल शंका या व्यक्तिगत धारणा के आधार पर किसी व्यक्ति को मानसिक रोगी नहीं माना जा सकता।

अदालत ने यह भी उल्लेख किया कि यह तयशुदा विवाह था और शादी से पहले दोनों परिवारों की मौजूदगी में पति-पत्नी की मुलाकात हो चुकी थी। यदि महिला के व्यवहार में कोई असामान्यता होती तो पति उसे उसी समय देख सकता था।सुनवाई के दौरान रिकॉर्ड से सामने आया कि दोनों करीब ढाई वर्ष तक साथ रहे। इसके बाद 10 जुलाई 2017 को पति पत्नी को उसके मायके छोड़ आया और अगले ही दिन तलाक की याचिका दाखिल कर दी। अदालत ने माना कि वैवाहिक संबंध टूटने के लिए पत्नी नहीं, बल्कि पति स्वयं जिम्मेदार था।

पत्नी ने अदालत में आरोप लगाया कि दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर उसे मानसिक रोगी बताकर बदनाम किया गया। उसने बताया कि उसके पिता ने पति की मांग पर आरटीजीएस के माध्यम से 1 लाख भेजे थे, लेकिन इसके बावजूद 2 लाख की अतिरिक्त मांग की गई। मांग पूरी न होने पर उसे शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया और अंततः मायके भेज दिया गया।

हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि मानसिक बीमारी को तलाक का आधार तभी माना जा सकता है, जब विश्वसनीय चिकित्सीय साक्ष्यों से यह सिद्ध हो कि बीमारी इतनी गंभीर है कि सामान्य वैवाहिक जीवन संभव नहीं रह गया हो। चूंकि इस मामले में ऐसा कोई प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया गया, इसलिए पति की अपील खारिज कर दी गई। अदालत ने यह भी कहा कि पति न तो पत्नी की मानसिक बीमारी साबित कर सका और न ही उसके परित्याग का आरोप सिद्ध कर पाया। ऐसे में वह अपनी ही गलती का लाभ लेकर तलाक नहीं मांग सकता।

सुप्रीम कोर्ट ने दल-बदल विरोधी कानून की व्याख्या पर कपिल सिब्बल की याचिका पर केंद्र से जवाब मांगा

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को स्वतंत्र राज्यसभा सांसद और सीनियर वकील कपिल सिब्बल की उस याचिका पर विचार करने के लिए सहमत हो गया, जिसमें संविधान के दसवें शेड्यूल के मतलब पर फिर से विचार करने की मांग की गई थी।

यह शेड्यूल विधायक और सांसद को किसी दूसरी राजनीतिक पार्टी के साथ मर्जर का दावा करके दलबदल विरोधी कानून के तहत अयोग्यता से बचने की इजाजत देता है. यह मामला जस्टिस पीएस नरसिम्हा और आलोक अराधे की पीठ के सामने सुनवाई के लिए आया।

सुनवाई के दौरान, सिब्बल ने कहा कि इस मुद्दे का हमारी व्यवस्थित समाज पर बहुत बड़ा असर पड़ता है, क्योंकि इस प्रावधान की वजह से एक अल्पमत पार्टी बहुमत वाली पार्टी बन सकती है, जबकि बहुमत वाली पार्टी अल्पमत वाली पार्टी बन जाती है.उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में गोवा मामला लंबित होने का जिक्र किया. पीठ ने कहा कि इसमें कई मुद्दे शामिल हैं जिन पर संसद को ध्यान देना चाहिए. सुनवाई के दौरान, पीठ ने शुरू में इस मामले पर सुनवाई करने में हिचकिचाहट दिखाई और जोर दिया कि इन मुद्दों पर फैसला विधायकों को करना है.पीठ ने कहा कि ये ऐसे मुद्दे हैं जिन्हें आम तौर पर सदन में उठाया जाना चाहिए; अगर नहीं, तो कम से कम राजनीतिक पार्टियों के सामने तो उठाया ही जाना चाहिए.पीठ ने कहा कि दसवीं अनुसूची का मकसद विधायकों के बीच तंत्र को रेगुलेट करना है. पीठ ने कहा, ''10वीं अनुसूची के कामकाज में जो कुछ हुआ, हम देख रहे हैं, 10वीं अनुसूची के बारे में भारी मुद्दे हैं...'' सिब्बल ने कहा कि सत्ता में बैठे लोग इस मामले पर कभी फैसला नहीं होने देंगे. पीठ ने यह भी सवाल किया कि इस मुद्दे को उठाने के लिए आर्टिकल 32 का रास्ता क्यों अपनाया गया।

वाशिंगटन के सिएटल फूड फेस्टिवल में सामूहिक गोलीबारी में 3 लोगों की मौत, कई घायल

वाशिंगटन (आरएनएस)। अमेरिका में वाशिंगटन के सिएटल शहर में सोमवार को भीषण गोलीबारी की घटना सामने आई है। घटना में 3 लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई लोग घायल है। गोलीबारी शहर के मशहूर स्पेस नीडल से कुछ ही दूरी पर स्थित एक फूड फेस्टिवल में हुई है। गोलीबारी के समय यहां काफी लोग मौजूद थे। अभी पुलिस ने एक युवक को हिरासत में लिया है। घायलों की सही संख्या कितनी है, यह अभी स्पष्ट नहीं है।

सिएटल सेंटर अपने वार्षिक बाइट ऑफ सिएटल उत्सव की मेजबानी कर रहा था, जिसमें सैकड़ों स्थानीय विक्रेता और लाइव संगीत प्रदर्शन शामिल थे। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें एक विक्रेता अपनी वीडियो बना रहा है, तभी पीछे से स्टेडियम में गोलीबारी की आवाज सुनाई देती और अफरा-तफरी मचते दिख रही है।इस दौरान मची भगदड़ में कई लोग एक-दूसरे के ऊपर चढ़कर निकल गए, जिससे वे घायल हुए हैं। सिएटल पुलिस ने बताया कि स्टेडियम में 2 लोगों ने एक-दूसरे पर गोलीबारी की थी, जिससे आम लोग हताहत हुए। इसमें एक को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि दूसरा फरार है।पुलिस ने बताया कि कुल 7 लोगों को गोली लगी थी, जिसमें 2 की मौके पर मौत हो गई, जबकि एक महिला ने अस्पताल में दम तोड़ा। अभी एक 2 साल का बच्चा, एक 39 वर्षीय महिला और एक 23 वर्षीय युवक अस्पताल में भर्ती हैं।

अमेरिका और ईरान ने एक-दूसरे पर 2 दिन से नहीं किया हमला, 13 दिन बाद शांति

वाशिंगटन/तेहरान,(आरएनएस)।अमेरिका और ईरान ने एक-दूसरे के खिलाफ सैन्य हमले रोक दिए हैं। पिछले 2 दिनों से दोनों देशों ने कोई हवाई हमला नहीं किया है। दरअसल, अमेरिका ने शुक्रवार देर रात अपना अभियान रोका था और शनिवार-रविवार को कोई हमला नहीं किया, जिसके बाद ईरान ने भी अपनी जवाबी कार्रवाई बंद कर दी। दोनों देशों के बीच समझौता होने के बाद भी पिछले 13 दिन से हमले जारी थे। अब सैन्य हमले रुकने से राजनयिक सफलता की उम्मीदें बढ़ी हैं।

संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत माइक वाल्ट्ज ने शांति स्थापित होने के बाद कहा कि हाल के दिनों में राजनयिक प्रयासों में तेजी आने के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप तेहरान के साथ बातचीत की गुंजाइश छोड़ रहे हैं।

वाल्ट्ज ने कहा, राष्ट्रपति बातचीत को समय दे रहे हैं। हम अब भी पूरी तरह तैयार हैं, लेकिन वह बातचीत को समय देंगे।

खाड़ी देशों ने भी ईरान की ओर से हमलों की कोई सूचना नहीं दी है।

ईरानी सेना के प्रवक्ता मोहम्मद अकरमिनिया ने कहा, पिछली 2 रातों में अमेरिकियों ने अपने हमले रोक दिए हैं। चूंकि हमारी रणनीति मूल रूप से जवाबी कार्रवाई पर आधारित है, इसलिए हमने भी अपनी जवाबी कार्रवाई रोक दी है। एक वरिष्ठ ईरानी सूत्र ने बताया कि तेहरान को ज्यादा उम्मीद नहीं थी कि हमलों को रोकने का ट्रंप का फैसला अमेरिकी वार्ता की स्थिति में एक बड़ा बदलाव दर्शाता है।

अमेरिका के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैन केन ने ट्रंप को निजी तौर पर आगाह किया है कि अगर युद्ध जारी रहता है तो इससे गोला-बारूद के भंडार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

केन के कार्यालय और अमेरिकी केंद्रीय कमान ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

काला सागर में जहाजों को लेकर यूक्रेन की चेतावनी, भारत समेत साझेदार देशों से सतर्क रहने की अपील

कीव (ए.)। यूक्रेन के विदेश मंत्रालय ने काला सागर में रूसी पोर्ट्स की ओर जाने और आने वाले विदेशी जहाजों के लिए खतरे को लेकर एक बयान जारी किया है। यूक्रेनी विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में बताया गया कि 2025-2026 में काला सागर में रूस के हमलों की वजह से नाविकों, समुद्री पायलटों और व्यापारी जहाजों के क्रू मेंबर्स सहित कई आम लोगों की मौत हुई। इसमें पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर और यूक्रेन के समुद्री एक्सपोर्ट कॉरिडोर का इस्तेमाल करने वाले जहाजों पर हमले भी शामिल हैं। बयान के अनुसार, भारत में यूक्रेन के दूतावास ने कहा है कि उसका दृढ़ विश्वास है कि रूस की आक्रामक कार्रवाइयों के कारण काला सागर और आजोव सागर में नागरिक जहाजों की आवाजाही पर मंडरा रहे खतरों और जोखिमों को क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति से जुड़ी किसी भी एहतियाती चेतावनी पर तत्काल प्रतिक्रिया देकर कम किया जा सकता है। दूतावास ने कहा कि युद्ध के दौरान यूक्रेन लगातार अपने अंतरराष्ट्रीय साझेदारों, जिनमें भारत के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हैं, को रूस की कार्रवाइयों से नागरिक

नौवहन पर बढ़ते खतरों के बारे में आगाह करता रहा है। यूक्रेन ने अपने साझेदार देशों को उन कदमों की भी जानकारी दी है, जो वह सैन्य सामान की आपूर्ति रोकने और यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध को समर्थन देने वाली लॉजिस्टिक आपूर्ति शृंखलाओं को बाधित करने के लिए उठा रहा है। दूतावास ने कहा कि इन चिंताओं को अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) के मंच पर भी औपचारिक रूप से उठाया गया है। इसके तहत 12 जून और 26 जून 2026 को जारी आईएमओ सर्कुलर लेटर्स के माध्यम से सदस्य देशों को अवगत कराया गया। यूक्रेन ने यह भी कहा कि उसने भारत सरकार के समुद्री प्रशासन महानिदेशालय (डीजीएमए) द्वारा 23 जुलाई 2026 को जारी सर्कुलर-41 का संज्ञान लिया है। इस परिपत्र में काला सागर से गुजरने या वहां परिचालन करने वाले भारतीय जहाजों और भारतीय नाविकों वाले विदेशी ध्वजधारी जहाजों के लिए समुद्री सुरक्षा संबंधी परामर्श जारी किया गया है। यूक्रेन का मानना है कि नाविकों की सुरक्षा, आम लोगों के नेविगेशन की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उन इलाकों में अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने के लिए, जहां ऐसे खतरों की स्पष्ट पहचान हो, काबिल अधिकारियों द्वारा समय पर और बचाव के लिए कार्रवाई करना बहुत जरूरी है।

ईरान के डिप्टी विदेश मंत्री ने आईसीसी चीफ के खिलाफ कार्रवाई को लेकर अमेरिका की आलोचना की

तेहरान,(आरएनएस)। ईरान के डिप्टी विदेश मंत्री काजम गरीबाबादी ने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिका की कड़ी आलोचना की. उन्होंने यह बात इजराइली नेता की उस टिप्पणी पर कही जिसमें उन्होंने इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (आईसीसी) के चीफ प्रॉसिक्यूटर करीम खान को हटाने का स्वागत किया था।

एक्स पर एक पोस्ट में डिप्टी विदेश मंत्री ने कोर्ट के खिलाफ कार्रवाई करने की अमेरिकी कोशिश की भी निंदा की, जब इजराइली पीएम ने वाशिंगटन के इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट का विरोध करने के वादे पर गौर किया. अधिकारी ने कहा कि नेतन्याहू जिन पर इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट से अरेस्ट वारंट है खुलेआम कह रहे हैं कि अमेरिकी विदेश मंत्री ने इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट के खिलाफ कार्रवाई करने का वादा किया है. आगे कहा कि वे कोर्ट को भ्रष्ट कहते हैं क्योंकि उसने वॉशिंगटन के वॉन्टेड क्रिमिनल का पीछा करने की हिम्मत की।

गरीबाबादी की यह बात इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के एक्स पर पोस्ट किए गए एक बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ हुई बातचीत का जिक्र करते हुए कहा था कि वॉशिंगटन ने आईसीसी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का वादा किया है।

नेतन्याहू ने इस डेवलपमेंट को बहुत पॉजिटिव डेवलपमेंट बताते हुए कहा, कल रात मैंने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से बात की. उन्होंने एक बार फिर इस इंस्टीट्यूशन के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई करने के अमेरिका के पक्के इरादे को दोहराया. एक ऐसा इंस्टीट्यूशन जो न्याय को कमजोर करता है. डेमोक्रेटिक और सॉवरेन देशों पर हमला करता है, और उनकी सिक्योरिटी को हेग में गैर-जिम्मेदार और भ्रष्ट अधिकारियों के फैसलों के अधीन करना चाहता है.इजराइली प्रधानमंत्री ने प्रॉसिक्यूटर के खिलाफ सेक्शुअल हैरेसमेंट के आरोप सामने आने के बाद आईसीसी सदस्य देशों द्वारा करीम खान को हटाने के फैसले का भी स्वागत किया. नेतन्याहू ने दावा किया कि खान ने अंदरूनी गलत कामों की जांच से ध्यान हटाने के लिए एक राजनीतिक चाल के तौर पर उनके और पूर्व रक्षा मंत्री योआव गैलेंट के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी करने की कोशिश की थी.

नेतन्याहू ने लिखा, मैं इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट के प्रॉसिक्यूटर करीम खान को हटाने के फैसले का स्वागत करता हूं, जिसे ज़्यादातर देशों का सपोर्ट मिला है. यह फैसला सच्चाई सामने लाता है.करीम खान पर अपने अंडर काम करने वाली महिलाओं का सेक्शुअल हैरेसमेंट करने का आरोप था. ठीक जब ये आरोप सामने आए, तो उन्होंने इजराइल का अपना प्लान किया हुआ दौरा कैंसिल कर दिया, इजराइल के इंडिपेंडेंट ज्यूडिशियल सिस्टम की अच्छी तरह से जांच करने का अपना पिछला वादा छोड़ दिया, और अचानक मेरे और पूर्व डिफेंस मिनिस्टर योआव गैलेंट के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी करने लगे.नेतन्याहू ने आगे कहा कि खान ने अरेस्ट वारंट का इस्तेमाल अपने खिलाफ लगे आरोपों से ध्यान हटाने और इजराइल के दुश्मनों को अपने आस-पास एक पॉलिटिकल शील्ड की तरह इकट्ठा करने के लिए किया. और कहा कि सदस्य देशों के फैसले ने उस शील्ड को हटा दिया और उस गहरे अन्याय और भ्रष्टाचार को सामने ला दिया जिसने प्रॉसिक्यूटर के ऑफिस और खुद इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट दोनों को संक्रमित कर दिया है।

अमेरिका से 10 अरब डॉलर की आर्थिक सहायता चाहता है पाकिस्तान, कूटनीतिक सक्रियता को आर्थिक लाभ में बदलने की कोशिश

इस्लामाबाद/वाशिंगटन(आरएनएस)। ईरान और इज़राइल के बीच जारी संघर्ष से पश्चिम एशिया में तनाव लगातार बढ़ रहा है। इस बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य के बीच पाकिस्तान अपनी कूटनीतिक सक्रियता को आर्थिक लाभ में बदलने की कोशिश में जुट गया है। हाल के दिनों में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम कराने के प्रयासों में पाकिस्तान की भूमिका की चर्चा रही है। इसी पृष्ठभूमि में पाकिस्तान ने अमेरिका से 10 अरब डॉलर के विदेशी मुद्रा स्थिरीकरण कोष की मांग की है। साथ ही उसने अमेरिकी निर्यात-आयात बैंक के माध्यम से अलग व्यापार वित्त सुविधा उपलब्ध कराने का प्रस्ताव भी रखा है।रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के वित्त मंत्री मोहम्मद औरंगज़ेब ने हाल ही में वाशिंगटन की यात्रा के दौरान अमेरिकी प्रशासन के समक्ष यह प्रस्ताव रखा। यदि यह प्रस्ताव स्वीकार कर लिया जाता है तो पाकिस्तान को अपने विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूत करने, पाकिस्तानी रुपये को स्थिर रखने तथा आयात भुगतान के दबाव को कम करने में सहायता मिल सकती है। इसके अलावा चीन, सऊदी अरब और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) पर उसकी निर्भरता भी कुछ हद तक घट सकती है।पाकिस्तान लंबे समय से गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार कमी आने के कारण उसे कई बार अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से राहत पैकेज लेना पड़ा है। हाल ही में पाकिस्तान ने संयुक्त अरब अमीरात को 3.5 अरब डॉलर का भुगतान किया, जिससे उसके विदेशी मुद्रा भंडार पर अतिरिक्त दबाव पड़ा। इसके बाद इस कमी को पूरा करने के लिए उसे सऊदी अरब से 3 अरब डॉलर की वित्तीय सहायता लेनी पड़ी।

फीचर

शेविंग के बाद त्वचा पर हो जाते हैं लाल चकत्ते या दाने? न करें ये गलतियां

शेविंग एक आम प्रक्रिया है, जिसका इस्तेमाल लोग शरीर के अनचाहे बालों को हटाने के लिए करते हैं। हालांकि, कई बार शेविंग के बाद त्वचा पर लाल चकत्ते या छोटे-छोटे दाने हो जाते हैं, जो काफी असुविधाजनक हो सकते हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी गलतियों के बारे में बताते हैं, जिन्हें लोग शेविंग करते समय अनजाने में कर बैठते हैं और इनसे बचकर आप बिना किसी परेशानी के शेविंग कर सकते हैं।

पुराने शेवर का इस्तेमाल करना

कई लोग शेविंग के बाद शेवर को फेंक देते हैं, जबकि कुछ लोग उसे दोबारा इस्तेमाल कर लेते हैं। हालांकि, पुराने शेवर का इस्तेमाल करना सबसे बड़ी गलती है।पुराने शेवर से शेव करने पर त्वचा पर कट लगने की संभावना बढ़ जाती है और इससे लाल चकत्ते या दाने हो सकते हैं।इसलिए, हमेशा नए शेवर का इस्तेमाल करें, ताकि आपकी त्वचा सुरक्षित रहे और आपको कोई परेशानी न हो।

सूखी त्वचा पर शेविंग करना

गीली त्वचा पर शेविंग करने से बालों को हटाना आसान हो जाता है और इससे त्वचा पर कोई खरोंच या जलन नहीं होती।इसलिए, हमेशा नहाने के बाद या नहाते समय ही शेव करें, क्योंकि इससे न केवल आपके बाल आसानी से हटेंगे, बल्कि आपकी त्वचा भी मुलायम और ताजगी भरी महसूस होगी।इसके अलावा गीली त्वचा पर शेविंग करने से उस्तरा के इस्तेमाल से होने वाली समस्याओं से भी बचा जा सकता है।

शेविंग क्रीम का इस्तेमाल न करना

शेविंग क्रीम का इस्तेमाल न करने से त्वचा पर जलन या खुजली हो सकती है। शेविंग क्रीम या जेल आपके बालों को मुलायम बनाती है और उस्तरा को आसानी से चलाने में मदद करती है।इससे आपकी त्वचा भी सुरक्षित रहती है। अगर आप बिना शेविंग क्रीम के शेव करते हैं तो इसके कारण त्वचा पर लाल चकत्ते या दाने हो सकते हैं, जो काफी ज्यादा असुविधाजनक हो सकते हैं।

बहुत अधिक दबाव डालकर शेव करना

बहुत अधिक दबाव डालकर शेव करना भी एक बड़ी गलती है। कई लोग जल्दी-जल्दी बाल हटाने के चक्कर में शेवर पर जोर डाल देते हैं, जिससे त्वचा पर खरोंच लग सकती है या जलन हो सकती है।हमेशा हल्के हाथों से शेवर चलाएं, ताकि आपकी त्वचा सुरक्षित रहे और आपको कोई परेशानी न हो।इससे न केवल आपके बाल आसानी से हटेंगे, बल्कि आपकी त्वचा भी मुलायम और ताजगी भरी महसूस होगी।

शेविंग के बाद मॉइस्चराइजर न लगाना

शेविंग के बाद मॉइस्चराइजर लगाना बहुत जरूरी है। इससे आपकी त्वचा को नमी मिलती है और वह मुलायम रहती है।अगर आप शेविंग के बाद मॉइस्चराइजर नहीं लगाते तो आपकी त्वचा रूखी हो सकती है और उसमें खुजली या जलन भी हो सकती है।इसलिए, शेविंग के बाद हमेशा मॉइस्चराइजर लगाएं, ताकि आपकी त्वचा स्वस्थ और ताजगी भरी रहे। इन गलतियों से बचकर आप अपनी शेविंग प्रक्रिया को सुरक्षित और आरामदायक बना सकते हैं।

प्रभास की स्पिरिट में कैटरीना कैफ की एंट्री? 2 साल बाद एक्ट्रेस की बड़े पर्दे पर होगी वापसी?

साउथ सुपरस्टार प्रभास की आने वाली फिल्म स्पिरिट इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई हैं. कुछ महीने पहले ही दीपिका पादुकोण इस फिल्म से बाहर हो चुकी हैं, जिसके बाद फिल्म में तृप्ति डिमरी और प्रभास की जोड़ी देखने को मिलेगी. इसी बीच फिल्म से जुड़ी एक बड़ी अपडेट सामने आ रही है कि एक्ट्रेस कैटरीना कैफ भी फिल्म का हिस्सा बनने वाली हैं, जो फैंस के बीच चर्चा में है।

रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म के मेकर्स कैटरीना कैफ से कैमियो के लिए बात कर रहे हैं. फिल्म में उनका स्क्रीन टाइम कम हो सकता है, लेकिन वो एक मजबूत किरदार में दिखाई देंगी. अगर कैटरीना फिल्म में नजर आती हैं, तो ये उनके फैंस के लिए बहुत खास होने वाला है. शादी के बाद बड़े पर्दे पर वो बहुत कम दिखाई दी है और कुछ फिल्में बॉक्स ऑफिस पर चल नहीं पाई. इसीलिए स्पिरिट उनकी बड़ी फिल्मों में से एक हो सकती हैं. हालांकि कैटरीना या मेकर्स ने इसे लेकर कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया हैं।

बता दें कि संदीप रेड्डी वांगा द्वारा निर्देशित इस फिल्म में पहले दीपिका पादुकोण लीड रोल में नजर आने वाली थी. लेकिन न्यूज 18 शोशा के अनुसार, उन्होंने मेकर्स से 8 घंटे की शिफ्ट, 25 करोड़ फीस के अलावा फिल्म के प्रॉफिट का 10त्न की मांग की थी. इसी वजह से मेकर्स और उनके बीच बात नहीं बनी और उन्होंने फिल्म से किनारा कर लिया. इसके बाद तृप्ति डिमरी को फिल्म के लिए चुना गया और वो दीपिका से कम फीस ले रही हैं।

वहीं बात करें कैटरीना की, तो उन्होंने करीब 20 साल पहले मल्लीस्वरी में वेंकटेश और अल्लारी पिडुगु में नंदामुरी बालकृष्ण के साथ तेलुगु फिल्म में काम किया था. बाद में वो बॉलीवुड फिल्मों में सक्रिय रही और आखिरी बार उन्हें 2024 में मेरी क्रिसमस फिल्म में विजय सेतुपति के साथ देखा गया।

टीवी सबसे बड़ा स्कूल है, लोग इसे कम क्यों समझते हैं? निहारिका चौकसे ने इंडस्ट्री की सोच पर उठाए सवाल

टेलीविजन अभिनेत्री निहारिका चौकसे इन दिनों अपने शो तुम से तुम तक को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने टेलीविजन इंडस्ट्री को लेकर खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने उन लोगों पर सवाल उठाया है जो आज के समय में टीवी को फिल्मों और ओटीटी से कमतर मानते हैं। उनका कहना है कि टीवी कलाकारों के लिए सबसे बड़ा स्कूल है, जहां हर दिन कुछ नया सीखने का मौका मिलता है।

निहारिका चौकसे ने कहा, मुझे टीवी पर काम करना हमेशा पसंद आता है। अगर कोई मुझसे कहे कि मुझे रोज 14 घंटे काम करना होगा, तब भी मुझे कोई परेशानी नहीं होगी क्योंकि मुझे बिजी रहना अच्छा लगता है। मुझे समझ नहीं आता कि कुछ लोग टेलीविजन को कम क्यों आंकने लगते हैं। मेरे लिए टीवी सबसे बड़ा स्कूल है। यहां कैमरे के सामने अभिनय करना, लंबी-लंबी लाइन्स याद करना और हर परिस्थिति में बेहतर प्रदर्शन करना सीखने को मिलता है। उन्होंने आगे कहा, टेलीविजन में काम करना आसान नहीं होता, क्योंकि यहां कलाकारों को बहुत कम समय में अपना बेस्ट देना पड़ता है। टीवी में अगले दिन का एपिसोड प्रसारित होना होता है, इसलिए नई स्क्रिप्ट मिलते ही कलाकारों को तुरंत तैयारी करनी पड़ती है और शूटिंग भी करनी होती है। वेब सीरीज में कलाकारों को वर्कशॉप और तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिलता है, लेकिन टीवी में काम की रफ्तार कहीं ज्यादा तेज होती है। यही वजह है कि टीवी कलाकारों को हर दिन नई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है और लगातार मेहनत करनी पड़ती है।निहारिका चौकसे ने कहा, मनोरंजन जगत अब पहले से बेहतर दिशा में आगे बढ़ रहा है। बदलाव जीवन का सबसे बड़ा सच है और इंडस्ट्री भी समय के साथ बदल रही है। पहले टेलीविजन में महिलाओं पर आधारित कहानियां ज्यादा देखने को मिलती थीं, लेकिन अब फिल्मों में भी महिला कलाकारों को मजबूत और अहम किरदार मिलने लगे हैं।

बच्चों को छोटी उम्र में ही तैराकी सिखाने के मिल सकते हैं ये 5 फायदे

बच्चों को छोटी उम्र में तैराकी सिखाना एक बेहतरीन विचार हो सकता है। इससे न केवल उनका शारीरिक विकास होता है, बल्कि उन्हें आत्मविश्वास और सुरक्षा की भावना भी मिलती है। तैराकी सीखने से बच्चे पानी के प्रति डर को भी दूर कर सकते हैं और आपातकालीन स्थितियों में खुद को सुरक्षित रख सकते हैं। इस लेख में हम 5 प्रमुख फायदों पर चर्चा करेंगे, जो बच्चों को तैराकी सिखाने से मिल सकते हैं।

शारीरिक विकास में मददगार

तैराकी एक ऐसी गतिविधि है, जो पूरे शरीर को सक्रिय रखती है। छोटे बच्चे जब तैराकी सीखते हैं तो उनकी मांसपेशियां मजबूत होती हैं और उनका शारीरिक विकास बेहतर होता है। इसके अलावा तैराकी से बच्चों का संतुलन और तालमेल भी सुधरता है, जिससे वे शारीरिक रूप से अधिक सक्रिय और स्वस्थ रहते हैं।नियमित तैराकी से बच्चों की शारीरिक क्षमता बढ़ती है और उनका शरीर लचीला भी बनता है।

बढ़ता है आत्मविश्वास

तैराकी सीखने से बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है। जब बच्चे पानी में तैरना सीखते हैं और इसमें माहिर होते हैं तो उनका आत्मसम्मान भी बढ़ता है।वे खुद पर विश्वास करना सीखते हैं और किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार रहते हैं। इसके अलावा पानी में समय बिताने से बच्चे

अधिक आत्मनिर्भर बनते हैं और उनकी समस्या समाधान की क्षमता भी बेहतर होती है।

इससे उनका मानसिक विकास भी होता है।

आपातकालीन स्थितियों में खुद को रख सकते हैं सुरक्षित

तैराकी सीखने से बच्चे आपातकालीन स्थितियों में खुद को सुरक्षित रख सकते हैं। अगर कभी भी किसी तरह की दुर्घटना हो जाए या किसी को मदद की जरूरत पड़े तो बच्चे तुरंत प्रतिक्रिया दे सकते हैं।इसके अलावा तैराकी सिखाने से बच्चे पानी के प्रति जागरूक रहते हैं और उसमें सुरक्षित तरीके से समय बिताते हैं।इससे उनका आत्मविश्वास भी बढ़ता है और वे अधिक जिम्मेदारी से व्यवहार करते हैं।

सामाजिक संबंध बनाने का मिलता है मौका

तैराकी क्लासेस या स्विमिंग पूल पर जाकर बच्चे नए दोस्तों से मिलते हैं और सामाजिक संबंध बनाने का मौका मिलता है।वे टीम वर्क सीखते हैं और दूसरों के साथ मिलकर काम करना जानते हैं। इसके अलावा तैराकी सिखाने से बच्चों में सहयोग की भावना भी विकसित होती है।इससे वे दूसरों की मदद करना और साथ मिलकर काम करना सीखते हैं। तैराकी क्लासेस बच्चों के सामाजिक जीवन को समृद्ध बनाती हैं और उन्हें एकजुटता का अनुभव कराती हैं।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी है लाभदायक

तैराकी केवल शारीरिक ही नहीं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक होती है। पानी में समय बिताने से मन शांत रहता है और तनाव कम होता है।बच्चों को छोटी उम्र से ही तैराकी सिखाने से उनका मानसिक विकास भी बेहतर होता है। इससे वे अधिक संतुलित और खुश रहते हैं।इस प्रकार बच्चों को छोटी उम्र में तैराकी सिखाना कई प्रकार से उनके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। आपने पूरा पढ़ लिया है

(रायपुर) मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय नवा रायपुर स्थित एसआईआरडी परिसर, निमोरा में आयोजित प्रदेश के सभी जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक एवं कार्यशाला में शामिल हुए।

11 दिनों बाद श्री जगन्नाथ की भव्य घर वापसी, जयघोष और श्रद्धा से गूंजा धमतरी

धमतरी, (आरएनएस)। भगवान श्री जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की पावन बहुदा यात्रा (रथयात्रा वापसी) सोमवार को श्रद्धा, आस्था और उल्लास के बीच संपन्न हुई। 11 दिनों तक मौसी के घर प्रवास के बाद भगवान की मुख्य मंदिर में वापसी पर पूरा शहर भक्तिमय वातावरण में डूब गया।रिमझिम फुहारों के बीच राष्ट्रीय गौशाला बिलाईमाता मंदिर से निकली भव्य शोभायात्रा श्रीजगदीश मंदिर पहुंची, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु पूरे उत्साह के साथ शामिल हुए। यात्रा मार्ग में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर भगवान का स्वागत किया और जगन्नाथ के जयघोष से माहौल भक्तिमय बना रहा। सनातन परंपरा के अनुसार भगवान श्री जगन्नाथ वर्ष में एक बार अपने भक्तों को दर्शन देने और उनका कुशलक्षेम जानने के लिए मौसी के घर जाते हैं। 11 दिनों के विश्राम के बाद उनकी मूल मंदिर में वापसी को बहुदा यात्रा कहा जाता है। मान्यता है कि इस अवसर पर भगवान के रथ को खींचने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है तथा भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। श्री जगदीश मंदिर पहुंचने पर भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भव्य स्वागत किया गया।

छात्र आंदोलन के आगे झुकी मोदी सरकार, धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा युवाओं की जीत - दीपक बैज

रायपुर, (आरएनएस)। राजधानी रायपुर के शंकर नगर स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में ग्राम नकटी मामले को लेकर गठित कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व विधायक धनेन्द्र साहू, शिव कुमार डहरिया, विकास उपाध्याय सहित जिला एवं शहर कांग्रेस अध्यक्ष, पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बैठक के बाद पत्रकारों से चर्चा करते हुए पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों ने एकजुट होकर संघर्ष किया और पूरे देश के छात्र तानाशाही सरकार के खिलाफ खड़े रहे। उन्होंने कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा छात्रों के आंदोलन की जीत है। बैज ने बताया कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी सभी छात्रों का आभार व्यक्त किया है। उनका आरोप था कि युवाओं के आंदोलन के दबाव में मोदी सरकार ने अपनी कुर्सी बचाने के लिए यह फैसला लिया।

दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस पार्टी पहले भी छात्रों के साथ थी और आगे भी उनके हितों की लड़ाई लड़ती रहेगी।

प्रदेश के किसानों की समस्याओं पर बोलते हुए बैज ने कहा कि छत्तीसगढ़ में किसान खाद और बीज के संकट से जूझ रहे हैं, लेकिन विष्णु देव साय सरकार उनकी समस्याओं के समाधान में विफल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार किसान हितैषी नहीं है।

ग्राम नकटी में हुई तोड़फोड़ की घटना का जिक्र करते हुए बैज ने कहा कि बरसात के मौसम में गरीबों के मकान तोड़ना सरकार का अन्यायपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर आंदोलन जारी रखेगी और जल्द ही राज्यपाल से दोबारा मुलाकात करेगी।

शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए दीपक बैज ने कहा कि उनका बयान बेहद अनैतिक है। उन्होंने कहा कि जब पूरे देश में छात्र आंदोलन कर रहे हैं, तब इस तरह की टिप्पणी उचित नहीं है।

स्वाभिमान और उद्यमशीलता की मिसाल है सिंधी समाज- राज्यपाल रमेन डेका

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका ने कहा है कि सिंधी समाज स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता का जीवंत प्रतीक है। देश के विभाजन की विभीषिका और विस्थापन की पीड़ा सहने के बावजूद इस समाज ने अपने परिश्रम और दृढ़ संकल्प से न केवल स्वयं को पुन: स्थापित किया, बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी अग्रणी भूमिका निभाई है। राज्यपाल डेका आज रायपुर में पूज्य छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत द्वारा आयोजित 'मुखी संवाद' (विचार, तर्क एवं सुझाव परिचर्चा) कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे।

विस्थापन के दर्द को ताकत बनाकर रचा नया इतिहास

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि विभाजन के समय अपनी मातृभूमि, संपत्ति और सांस्कृतिक धरोहरों को छोड़कर आए सिंधी समाज ने उस असीम वेदना को अपनी शक्ति बनाया। कठिन परिस्थितियों के बावजूद समाज ने अपनी संस्कृति और परंपराओं को सहेजते हुए व्यापार, उद्योग, शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय मुकाम हासिल किया है।

पंचायतें समाज की रीढ़, 128 पंचायतों की एकजुटता सराहनीयडेका ने कहा कि किसी भी समाज की रीढ़ उसकी पंचायतें होती हैं। सिंधी समाज की पंचायत व्यवस्था सामाजिक समरसता बनाए रखने के साथ-साथ प्रगतिशील सोच को भी बढ़ावा देती है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि 'मुखी संवाद' में प्रदेशभर की 128 पंचायतों के प्रतिनिधि एक मंच पर एकत्रित हुए हैं, जो समाज की संगठनात्मक शक्ति को दर्शाता है।

पोर्टल का सर्वर डाउन, रोजगार मेले में बिना इंटरव्यू लौटे कई युवा

धमतरी (ए.)। पोर्टल का सर्वर डाउन होने से जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र में आयोजित रोजगार मेला बुरी तरह प्रभावित हुआ। अधिकांश बेरोजगार युवा वापस लौट गए। सोमवार को आयोजित रोजगार पोर्टल का सर्वर पूरे दिन ठप रहा। इसके चलते नए रोजगार पंजीयन और पुराने सीटी सीरीज के पंजीयन को सीजी सीरीज में परिवर्तित करने की प्रक्रिया नहीं हो सकी। इसके चलते कई बेरोजगार अभ्यर्थी साक्षात्कार से वंचित रह गए और निराश होकर वापस लौट गए। पोर्टल दोपहर बाद लगभग साढ़े तीन बजे शुरू हुआ, लेकिन तब तक कई अभ्यर्थी रोजगार कार्यालय से लौट चुके थे। रोजगार मेले में पहले से आनलाइन पंजीयन कराने वाले अभ्यर्थियों ने साक्षात्कार दिया, वहीं मौके पर पंजीयन कराने और पुराने पंजीयन में संशोधन कराने पहुंचे युवाओं को तकनीकी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई युवाओं ने मोबाइल ऐप के माध्यम से भी पंजीयन का प्रयास किया, लेकिन सीटी सीरीज से सीजी सीरीज में संशोधन नहीं होने के कारण आवेदन पूरा नहीं हो सका। आधार से मोबाइल नंबर लिंक नहीं होने के कारण भी कई अभ्यर्थियों का सत्यापन नहीं हो पाया। इस दौरान बार बार बिजली गुल होने से भी युवा परेशान दिखे।जिला रोजगार कार्यालय से मिली जानकारी अनुसार जनवरी 2024 से रोजगार पंजीयन नंबर सीजी सीरीज से जारी किए जा रहे हैं। इससे पहले पंजीयन कराने वाले युवाओं को अपना पंजीयन अपडेट कराना जरूरी है। इसके लिए समय-समय पर प्रचार-प्रसार भी किया गया, लेकिन बड़ी संख्या में युवाओं ने अभी तक संशोधन नहीं कराया है। वर्तमान में जिले में 62 हजार से अधिक पंजीकृत बेरोजगार हैं।

रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की वोडाफोन आइडिया लिमिटेड ने 50 सेल्स प्रमोटर, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने 100 लाइफ मित्र एवं शौर्य इंटरप्राइजेस ने दो चपरासी, चार सेल्स एग्जीक्यूटिव, दो परचेस असिस्टेंट, एक ला आफिसर और एक रिसेप्शनिस्ट पद के लिए भर्ती प्रक्रिया आयोजित की गई। कुल 160 रिक्तियों के लिए 106 अभ्यर्थी साक्षात्कार में शामिल हुए। जिनमें 55 का प्राथमिक चयन किया गया।

सीतापुर में दिनदहाड़े ज्वेलरी शॉप से करीब 1 करोड़ के जेवरात से भरा बैग पार, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

सरगुजा, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के सीतापुर में दिनदहाड़े उठाईगिरी की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां अज्ञात बदमाश ने काशी विश्वनाथ ज्वैलर्स के संचालक के करीब 1 करोड़ रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात से भरे बैग पर हाथ साफ कर दिया। घटना दुकान के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। वारदात के बाद इलाके में हड़कंप मच गया।

जानकारी के मुताबिक, घटना रविवार सुबह करीब 11:25 बजे की बताई जा रही है। ज्वेलरी शॉप के संचालक अरुण देव रोजाना की तरह दुकान खोलने पहुंचे थे। इसी दौरान उन्होंने अपनी स्कूटी के पास सोने-चांदी के जेवरात से भरा बैग रखा था। बताया जा रहा है कि इसी दौरान मौका पाकर एक अज्ञात आरोपी बैग लेकर फरार हो गया। ज्वेलरी शॉप सीतापुर-अंबिकापुर मुख्य मार्ग पर हाई स्कूल के पास स्थित है। दिनदहाड़े इतनी बड़ी रकम के जेवरात की उठाईगिरी की घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है।

सीजीपीएससी घोटाले में ईडी की एंट्री, मनी लॉन्ड्रिंग एंगल से होगी जांच, सीएसम साय बोले- भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) भर्ती घोटाले की जांच अब और तेज हो गई है। मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की एंट्री हो गई है। जानकारी के अनुसार, मामले के प्रमुख आरोपी टामन सिंह सोनवानी से रिमांड अवधि के दौरान मनी लॉन्ड्रिंग के पहलू पर भी पूछताछ की जाएगी।

इस बीच मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि भाजपा सरकार भ्रष्टाचार के मामलों में जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में प्रदेश के युवाओं और छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हुआ था।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं से सीजीपीएससी घोटाले की जांच का वादा किया था और अब दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा, भ्रष्टाचार के मामलों में हमारी सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति है। किसी भी क्षेत्र में अपराध करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

'मन की बात' में छत्तीसगढ़ का जिक्र होने पर जताई खुशी

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 136वें एपिसोड में छत्तीसगढ़ का उल्लेख किए जाने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि यह प्रदेश के लिए गौरव की बात है कि प्रधानमंत्री लगातार छत्तीसगढ़ की उपलब्धियों का उल्लेख करते हैं। उन्होंने बताया कि पहले बस्तर पण्डुम और मल्हार के ताम्रपत्र का जिक्र हुआ था, जबकि इस बार 'कैच द रेन' अभियान में बेहतर कार्य के लिए कोरबा की सराहना की गई। साथ ही प्रधानमंत्री ने आगामी गणेश चतुर्थी पर अपने गांव में बनी मिट्टी की प्रतिमा खरीदने का भी आह्वान किया।

खेल समाचार

कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत को दूसरा मेडल : वेटलिफ्टर ऋषिकांत सिंह ने सिल्वर जीता, पैरा पावरलिफ्टिंग में आ चुका है एक ब्रॉन्ज

नई दिल्ली, (आरएनएस)। भारत के युवा वेटलिफ्टर ऋषिकांत सिंह ने ग्लासगो कॉमनवेल्थ खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों के 60 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक अपने नाम किया। उन्होंने कुल 264 किलोग्राम (स्नैच 121 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क 143 किलोग्राम) वजन उठाकर दूसरा स्थान हासिल किया। स्नैच स्पर्धा में 121 किलोग्राम वजन उठाकर उन्होंने कॉमनवेल्थ खेलों का नया रिकॉर्ड भी कायम किया।

ऋषिकांत कॉमनवेल्थ खेलों में पदक जीतने वाले मणिपुर के पहले पुरुष वेटलिफ्टर बन गए हैं। यह ग्लासगो खेलों में भारत का दूसरा पदक है। इससे पहले पैरा पावरलिफ्टिंग की पुरुष हैवीवेट स्पर्धा में झंडू कुमार ने कांस्य पदक जीतकर भारत का खाता खोला था।

स्नैच स्पर्धा में ऋषिकांत ने शुरुआत से ही अपना दबदबा दिखाया। उन्होंने पहले प्रयास में 118 किलोग्राम, दूसरे में 119 किलोग्राम और तीसरे प्रयास में 121 किलोग्राम वजन सफलतापूर्वक उठाकर नया खेल रिकॉर्ड बनाया। तीसरे प्रयास के दौरान उनके दाहिने कंधे पर हल्का दबाव दिखाई दिया, लेकिन मजबूत तकनीक और संतुलन के दम पर उन्होंने रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

क्लीन एंड जर्क में ऋषिकंत ने पहले प्रयास में 143 किलोग्राम वजन सफलतापूर्वक उठाया। इसके बाद उन्होंने 148 किलोग्राम का प्रयास किया, लेकिन उसमें सफल नहीं हो सके। उनके कुल 264 किलोग्राम के प्रदर्शन के बावजूद मलेशिया के मोहम्मद अनिक बिन कस्डन ने 273 किलोग्राम (स्नैच 124 किलोग्राम, क्लीन एंड जर्क 149 किलोग्राम) वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीत लिया। दोनों खिलाड़ियों के बीच कुल 9 किलोग्राम का अंतर रहा।

ऋषिकंत का यह प्रदर्शन भारतीय वेटलिफ्टिंग के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। रजत पदक के साथ-साथ खेलों का रिकॉर्ड अपने नाम कर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की दावेदारी को और मजबूत किया।

पाकिस्तान को फाइनल में रौंदकर भारत बना चैंपियन, यूथ हॉकी5s एशियन चैंपियनशिप में 3-1 से जीता खिताब

मस्कट (आरएनएस)। ओमान के मस्कट में खेले गए एफआईएच यूथ हॉकी5s एशियन चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले में भारतीय सब-जूनियर पुरुष टीम का जबरदस्त जलवा देखने को मिला है। खिताबी भिड़ंत में टीम इंडिया ने अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 3-1 के अंतर से धूल चटाकर शानदार अंदाज में ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया है। इस ऐतिहासिक जीत के साथ भारतीय टीम एलीट पूल टेबल पर शीर्ष पर रहते हुए फिनिश करने में कामयाब रही। फाइनल में पहुंचने के साथ ही भारत और पाकिस्तान दोनों टीमों ने आगामी एफआईएच यूथ हॉकी5s वर्ल्ड कप के लिए भी अपनी जगह पक्की कर ली है।

13 मिनट के भीतर दागे तीन गोल, पाकिस्तान को नहीं मिला वापसी का मौका

टूर्नामेंट में भारतीय टीम का दबदबा शुरुआत से ही देखने को मिला था। लीग चरण के मैच में भी भारत ने पाकिस्तान को 7-3 से करारी शिकस्त दी थी, जिसके चलते फाइनल में भारतीय खिलाड़ियों का आत्मविश्वास सातवें आसमान पर था। खिताबी मुकाबले के पहले हाफ में ही भारत ने ताबड़तोड़ आक्रामक खेल दिखाया। खेल के 5वें मिनट में रोमित पाल ने पहला गोल दागकर भारत का खाता खोला। इसके बाद 12वें मिनट में कप्तान केतन कुशवाहा और 13वें मिनट में शाहरुख अली ने गोल दागे, जिससे महज 13 मिनट के भीतर ही भारत 3-0 से आगे हो गया। पाकिस्तान की ओर से खेल के 16वें मिनट में मोहम्मद उस्मान ने एकमात्र गोल किया, लेकिन इसके बाद भारतीय डिफेंस ने उन्हें कोई मौका नहीं दिया और भारत ने 3-1 से मैच अपने नाम कर लिया।

हॉकी इंडिया ने किया नकद पुरस्कार का ऐलान, महिला टीम को भी इनाम पाकिस्तान के खिलाफ खिताबी मुकाबले में इस ऐतिहासिक जीत के बाद हॉकी इंडिया ने भारतीय युवा खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ पर पैसों की बारिश कर दी है।

ज्ञानेश्वरी यादव: बहुत कम उम्र में शुरू की वेटलिफ्टिंग, CWG 2026 में देश के लिए जीता सिल्वर

नई दिल्ली,(आरएनएस)। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में वेटलिफ्टिंग में भारतीय दल का शानदार प्रदर्शन जारी है। सोमवार को महिलाओं की 53 किग्रा भार वर्ग के मुकाबले में ज्ञानेश्वरी यादव ने रजत पदक जीता। यह भारत का इस इवेंट का पांचवां पदक था।

ज्ञानेश्वरी ने कुल 199 किग्रा वजन (88 स्नैच और 111 क्लीन एंड जर्क) उठाकर दूसरा स्थान हासिल किया। वहीं, नाइजीरिया की ओनोमे ओमोलोला डिडिह ने स्वर्ण जबकि कनाडा की रेबेका ग्रौलक्स ने कांस्य पदक जीता।ज्ञानेश्वरी ने प्रतियोगिता में शुरुआत से ही शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। वह स्वर्ण पदक की प्रबल दावेदार थीं, लेकिन अंतत: महज सात किलो के अंतर से शीर्ष स्थान हासिल करने

से चूक गईं। स्नैच स्पर्धा में उन्होंने 82, 85 और 88 किलोग्राम वजन उठाया तथा तीनों प्रयास सफल रहे।हर प्रयास के साथ उन्होंने अपना वजन बढ़ाया और स्नैच के बाद दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि नाइजीरिया की दिदिह बढ़त बनाए हुए थीं। क्लीन एंड जर्क में भी ज्ञानेश्वरी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 103, 107 और 111 किलोग्राम वजन सफलतापूर्वक उठाया। हालांकि, दिदिह ने 105, 110 और 113 किलोग्राम वजन उठाकर अपनी बढ़त कायम रखी। दोनों चरणों में लगातार बेहतर प्रदर्शन के बावजूद ज्ञानेश्वरी स्वर्ण से चूक गईं और रजत पदक से संतोष करना पड़ा, जबकि दिदिह ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया।ज्ञानेश्वरी यादव का कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में रजत जीतने का सफर बेहद रोमांचक है। छत्तीसगढ़ से संबंध रखने वाली इस वेटलिफ्टर ने बहुत ही कम उम्र में वेटलिफ्टिंग शुरू की और नेशनल सेटअप में जगह बनाने से पहले राज्य में इस खेल में शीर्ष स्थान हासिल किया। जूनियर और सीनियर नेशनल चैंपियनशिप में उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन ने उन्हें भारत की शीर्ष महिला लिफ्टरों में से एक बना दिया। वह राष्ट्रीय कोचिंग प्रोग्राम के तहत नेताजी सुभाष नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स, पटियाला में ट्रेनिंग लेती हैं और कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप, एशियन चैंपियनशिप और वर्ल्ड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप सहित बड़े इंटरनेशनल कॉम्पिटिशन में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। अपने लगातार अच्छे प्रदर्शन और तकनीकी क्षमता के लिए जानी जाने वाली ज्ञानेश्वरी अपनी श्रेणी में भारत की शीर्ष वेटलिफ्टर हैं।ज्ञानेश्वरी की पूर्व की उपलब्धियों पर गौर करें, तो वह एशियन चैंपियनशिप 2026 में कांस्य, यूनिवर्सल वेटलिफ्टिंग कप 2026 में स्वर्ण जीत चुकी हैं।

15 साल और 121 दिन की उम्र में दूसरा अर्धशतक, टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वैभव का रिकॉर्ड

हरारे (आरएनएस)। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना दूसरा अर्धशतक जमाने के साथ वैभव सूर्यवंशी ने इतिहास रच दिया है। वैभव 16 साल की उम्र से पहले इस फॉर्मेट में 2 बार अर्धशतक जड़ने वाले पहले पुरुष बन गए हैं। वैभव फिलहाल 15 साल और 121 दिन की उम्र के हैं।

वैभव सूर्यवंशी ने रविवार को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में जारी टी20 सीरीज के तीसरे मैच में 49 गेंदों का सामना करते हुए 4 छक्कों और 8 चौकों के साथ 81 रन की पारी खेली। वैभव टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अर्धशतक लगाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी भी हैं, जिन्होंने 15 साल और 118 दिन की उम्र में यह कारनामा किया था। वैभव ने इसी सीरीज के पहले मैच में 19 गेंदों का सामना करते हुए 4 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 50 रन की पारी खेली थी। रविवार को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 20 ओवरों में 5 विकेट खोकर 192 रन बनाए। टीम ने 20 के स्कोर पर अभिषेक शर्मा (2) का विकेट गंवा दिया था। इसके बाद वैभव सूर्यवंशी ने ईशान किशन के साथ दूसरे विकेट के लिए 50 गेंदों में 75 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 95 के स्कोर तक पहुंचाया। ईशान 26 गेंदों में 4 बाउंड्री के साथ 29 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद वैभव ने श्रेयस अय्यर के साथ तीसरे विकेट के लिए 29 गेंदों में 50 रन जुटाकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। वैभव ने 81 रन की पारी खेली, जबकि कप्तान श्रेयस अय्यर ने 27 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। इनके अलावा, रिंकू सिंह ने 14 गेंदों में 3 बाउंड्री के साथ 25 रन जुटाए। मेजबान खेमे से ब्रैड इवांस ने सर्वाधिक 2 विकेट हासिल किए, जबकि सिकंदर रजा, ब्लेसिंग मुजरबानी और वेस्ली मधेवेरे ने 1-1 विकेट चटकाया।

CWG 2026: पहले ही प्रयास में 8.01 मीटर की जंप, श्रीशंकर मुरली ने हासिल किया फाइनल का टिकट

ग्लासगो (आरएनएस)। भारतीय लॉन्ग जंपर मुरली श्रीशंकर ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में शानदार शुरुआत की है। उन्होंने सोमवार को पुरुषों की लॉन्ग जंप के क्वालिफिकेशन राउंड में 8.01 मीटर की छलांग लगाकर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। श्रीशंकर ने ऑटोमैटिक क्वालिफिकेशन मार्क को आसानी से पार कर लिया।क्वालीफाइंग 'ग्रुप-ए' में 27 वर्षीय एथलीट को फाइनल में सीधा प्रवेश पाने के लिए कम से कम 8.00 मीटर की छलांग लगाने की जरूरत थी। श्रीशंकर ने यह लक्ष्य केवल एक प्रयास में हासिल कर लिया, जिसके बाद उन्होंने अपना क्वालिफिकेशन राउंड समाप्त कर दिया और बुधवार को होने वाले मेडल इवेंट के लिए अपनी ऊर्जा बचाकर रखी।केरल के इस एथलीट ने अपने पहले प्रयास से ही 'ग्रुप-ए' में शीर्ष स्थान हासिल किया। वे जमैका के जॉर्डन टर्नर से आगे रहे, जिनकी सर्वश्रेष्ठ छलांग 7.80 मीटर थी। अगर श्रीशंकर क्वालिफिकेशन मानक तक नहीं पहुंच पाते, तो उन्हें आगे बढ़ने के लिए दोनों क्वालिफिकेशन ग्रुप के 12 सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों में शामिल होना पड़ता।इसके बजाय, भारतीय एथलीट ने शुरुआत से ही अपने इरादे स्पष्ट कर दिए और अपनी पहली छलांग से ही जरूरी मार्क को आसानी से पार करके किसी भी तरह की अनिश्चितता को दूर कर दिया।चोट से उबरकर इस सीजन में शानदार फॉर्म में वापसी करने वाले श्रीशंकर, भारत के लिए एथलेटिक्स में मेडल जीतने की सबसे मजबूत उम्मीदों में से एक के तौर पर ग्लासगो पहुंचे हैं। उनके नाम इस सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन (8.38 मीटर) दर्ज है।कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में श्रीशंकर ने क्वालिफिकेशन राउंड में दबदबा बनाया था और सभी प्रतिस्पर्धियों में सर्वश्रेष्ठ छलांग (8.05 मीटर) लगाई थी, लेकिन फाइनल में मामूली अंतर से गोल्ड मेडल से चूक गए थे। उन्होंने 8.08 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाई थी, जो बहामास के लाक्वान नायरन के बराबर थी।

मीराबाई चानू ने दिलाया भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स का पहला गोल्ड, वेटलिफ्टिंग में 190 KG उठाया; ऋषिकांत ने मेंस में सिल्वर जीता

ग्लासगो (आरएनएस)। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत को पहला स्वर्ण पदक मिल गया है। स्टार वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने महिलाओं के 49 किलोग्राम वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 190 किलोग्राम (85 किग्रा स्नैच + 105 किग्रा क्लीन एंड जर्क) वजन उठाकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। उनकी इस उपलब्धि के साथ भारत का स्वर्ण पदक का खाता भी खुल गया। मीराबाई की जीत के बाद भारत के खाते में अब कुल 3 पदक हो गए हैं, जिनमें 1 गोल्ड, 1 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज शामिल हैं। इससे पहले ऋषिकांत सिंह ने पुरुषों के 60 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता था, जबकि झंडू कुमार ने पैरा पावरलिफ्टिंग में कांस्य पदक हासिल किया था। इन प्रदर्शनों के दम पर भारत पदक तालिका में सातवें स्थान पर पहुंच गया है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया 12 स्वर्ण सहित कुल 24 पदकों के साथ शीर्ष स्थान पर बना हुआ है।पुरुषों के 60 किलोग्राम वर्ग में सिल्वर जीतने वाले ऋषिकांत सिंह का यह दूसरा कॉमनवेल्थ गेम्स है। इससे पहले उन्होंने बर्मिंघम 2022 में 55 किलोग्राम वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व किया था।

क्रांतीकारी किसान मजदूर संगठन और किसानों के संयुक्त मोर्चा का भोपाल कूच आंदोलन

नारेबाजी करते हुए बढ़ते जा रहे है किसान, चहुंओर पुलिस बल लगाया लेकिन किसान नहीं रूके

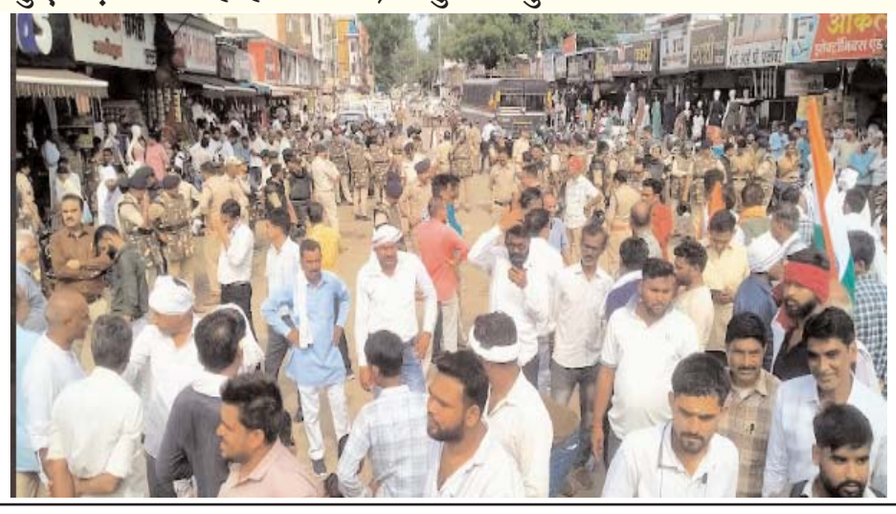

नर्मदापुरम(निप्र)। किसानों की मूंग शतप्रतिशत खरीदने सहित अनेक मांगों को लेकर क्रांतीकारी किसान मजदूर संगठन और विभिन्न किसान संगठनों के संयुक्त मोर्चा के सैंकड़ों किसानों ने सोमवार को भोपाल कूच आंदोलन जारी रखा।

इस आंदोलन को रोकने का प्रशासन द्वारा बहुत प्रयास किया गया। अनेक स्थानों पर बेरीकेटस लगाए गए लेकिन किसानों के समूह ने बेरीकेटस पार करते हुए भोपाल की ओर रवाना होने का क्रम जारी रखा। सुबह के समय मां नर्मदा के सेठानी घाट पर भगवान सत्यनारायण की कथा कराने के बाद सदबुद्धि यज्ञ किया गया। उसके बाद दोपहर में भोपाल की ओर कूच करने के लिए किसानों का समूह निकल पड़ा। जिसे अनेक स्थानों पर रोकने का प्रयास किया गया। इस दौरान आंदोलन का नेतृत्व कर रहे किसान नेता लीलाधर राजपूत को प्रशासन ने अपने साथ लेकर सर्किट हाउस में ले गए उनकी तबियत खराब होने पर डाक्टर को बुलाकर उपचार कराया गया। भोपाल तिराहे तथा परमश्री गार्डन के पास प्रशासन ने किसानों से चर्चा कर उन्हें मंडी में पहुंचने तथा आज रूक कर दूसरे दिन रवाना होने की बात कही लेकिन किसानों ने प्रशासन की बात नहीं मानी किसानों ने पहला पड़ाव बुदनी में रखा। कलेक्टर कमिश्नर व पुलिस अधीक्षक ने सोहार्दमय माहौल में किसानों से चर्चा की। इस आंदोलन में जिले के किसान नेता राकेश गौर सहित बड़ी संख्या में जिले भर से किसान शामिल हुए हैं।

हर तरफ लगाया पुलिस बल

किसानों के आंदोलन को ध्यान में रखकर शहर के हर तरफ पुलिस बल लगाया गया। किसानों को जिले के अन्य स्थानों पर भी रोका गया। किसानों के आंदोलन के चलते अनेक मार्ग बंद रहने से यातायात व्यवस्था अव्यवस्थित हुई।

भाई बलभद्र और सुभद्रा संग मंदिर में विराजे जगन्नाथ

नर्मदापुरम(निप्र)।भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा का समापन सोमवार को परम्परागत हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। आज शाम भगवान भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ पुन: मंदिर में विराजमान हुए। इस अवसर पर मंदिर में बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित रहे। सबसे पहले भगवान की रथ में पूजा आरती की गई। इसके बाद सुदर्शन बलभद्र और सुभद्रा को मंदिर में विराजमान किया गया। बाद में भगवान का आगमन हुआ और पहले से ही भगवान से नाराज चल रही माता लक्ष्मी ने मंदिर के कपाट बंद कर दिए। बाद में भगवान द्वारा मन मनोव्वल करने और उपहार देने के बाद उन्होंने मंदिर के कपाट खोले। भगवान को पूरी विधि विधान से मंदिर में विराजमान किया गया। भगवान का आलौकिक श्रृंगार किया गया। शाम को आरती पूजा की गई। इस अवसर पर मंदिर के ठाकुर राजा डा आशुतोष शर्मा महंत बाबाजी प्रसाद दास ओडिशा के आचार्य रश्मि रंजन शिव शंकर जी ने सम्पूर्ण विधि संपन्न कराई।

वरिष्ठ अधिवक्ता एसएस ठाकुर को श्रद्धांजलि अर्पित की

नर्मदा शिक्षा समिति एवं नव अंकुर संस्था के संयोजन में आयोजित हुई श्रद्धांजलि सभा

नर्मदापुरम(निप्र)। नर्मदा शिक्षा समिति एवं नव अंकुर संस्था द्वारा नर्मदा शिक्षा समिति सभागार में समाज सेवी एवं वरिष्ठ अधिवक्ता श्रद्धेय एस एस ठाकु की श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें वरिष्ठ अधिवक्ता गण व्यापारी गण समाज सेवी एवं नगर के गणमान्य नागरिको ने ठाकुर साहब को श्रद्धा सुमन एवं पुष्पांजलि अर्पित की। जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष पंडित भवानी शंकर शर्मा ने स्वर्गीय ठाकुर साहब से उनके परिवार के संबंधों के बारे में बताते हुए उनकी धार्मिक यात्रा के वृत्तांत को बताया राष्ट्रीय कवि सुरेश उपाध्याय ने ठाकुर साहब से अपनी मित्रता एवं बचपन के संस्मरण को साझा किया वरिष्ठ अधिवक्ता उमेश पालीवाल जितेंद्र तिवारी केके जराठे आरएस ठाकुर तथा ने ठाकुर साहब से जुड़े हुए संस्मरण को बताते हुए ठाकुर साहब के जाने को अधिवक्ता संघ परिवार और शहर के लिए अकल्पनीय क्षति बताया। नव अंकुर संस्था की श्रीमती कीर्ति दीक्षित सैनी ने कार्यक्रम के प्रारंभ में ठाकुर साहब के पारिवारिक एवं व्यक्तिगत जीवन पर प्रकाश डाला । कार्यक्रम का संचालन दिनेश शर्मा के द्वारा किया गया कार्यक्रम में श्रीमती लीला बसंत सैनी अधिवक्ता अरुण शर्मा अजय सैनी संतोष व्यास लोकेश तिवारी महेश सैनी नमन तिवारी मृदुला सिंह ठाकुर मंडल अध्यक्ष सागर शिवहरे हेमंत सिंह ठाकुर कवि महेश मूलचंदानी अनिल अग्रवाल आरएस यादव ताहिर अली अनंत तिवारी संजय पांडे सत्यम अदलिया अभिषेक शुक्ला विजय गुप्ता प्रकाश गुप्ता दीपक सैनी राजेंद्र सैनी विकास अत्री अभय सैनी हर्ष दुबे कृष्ण गुप्ता पुष्कर चौरसिया विपिन चौरसिया अक्षय सैनी भूपेश थापक आनंद थापक एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे कार्यक्रम के अंत में दिवंगत आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन रखा गया।

राधेश्याम वारिवे जनपद पंचायत के नए सीईओ

मुख्य कार्यपालन अधिकारी का स्वागत किया गया

नर्मदापुरम(निप्र)। जनपद पंचायत नर्मदापुरम में नवपदस्थ मुख्य कार्यपालन अधिकारी सीईओ राधेश्याम वारिवे ने सोमवार को अपना पदभार ग्रहण कर लिया। उल्लेखनीय है कि पिछले लगभग 13 माह से जनपद पंचायत नर्मदापुरम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी का पद रिक्त था। इस अवधि में जनपद पंचायत माखननगर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रंजीत ताराम अतिरिक्त प्रभार के रूप में जनपद पंचायत नर्मदापुरम का कार्यभार संभाल रहे थे। श्री वारिवे के पदभार ग्रहण करने के साथ ही रंजीत ताराम को जनपद पंचायत नर्मदापुरम के अतिरिक्त प्रभार से कार्यमुक्त कर दिया गया है। अब वे पूर्ण रूप से जनपद पंचायत माखननगर में अपने नियमित दायित्वों का निर्वहन करेंगे। पदभार ग्रहण के अवसर पर जनपद पंचायत नर्मदापुरम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने नवागत सीईओ राधेश्याम वारिवे का पुष्पमालाओं से स्वागत कर उनका अभिनंदन किया। साथ ही अतिरिक्त प्रभार के दौरान किए गए कार्यों के लिए श्री ताराम का भी सम्मान कर उनके योगदान की सराहना की।

किसानों की मांग कर रहे कांग्रेस नेताओं को किया नजर बंद

नर्मदापुरम(निप्र)। किसानों की शत प्रतिशत मूंग खरीदी की मांग को लेकर भोपाल कूच कर रहे किसानों को समर्थन देने जा रहे पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष पुष्पराज पटेल, जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष बाबू चौधरी, धर्मेंद्र तिवारी, अनोखी राजोरिया, राकेश शर्मा सहित अनेक कांग्रेस जन को पुलिस ने पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष कपिल फौजदार के निवास पर नजरबंद कर दिया। जिससे कांग्रेस किसानों के आंदोलन में शामिल नही हो सके। जब किसान शहर से बाहर हो गए तब उनको फोजदार निवास से छोडा गया।

स्प्रिंगडेल्स स्कूल में गूंजे भारतीय शास्त्रीय संगीत के सुर

विद्यार्थियों ने जाना संस्कृति का महत्व

नर्मदापुरम(निप्र)।स्प्रिंगडेल्स सीनियर सेकेंण्डरी स्कूल में सोमवार को स्पिक मैके के तत्वावधान में भारतीय शास्त्रीय संगीत एवं संस्कृति पर आधारित एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजन दीप प्रज्ज्वलन एवं विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मनमोहक स्वागत गीत के साथ हुआ। जिसने संपूर्ण वातावरण को आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक रंगों से सराबोर कर दिया।

कार्यक्रम की मुख्य आकर्षण देश की प्रसिद्ध हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायिका सुश्री सोहिनी रॉय चौधरी एवं सुप्रसिद्ध युवा तबला वादक मनोज पाटीदार रहे। दोनों कलाकारों ने अपनी भावपूर्ण एवं उत्कृष्ट प्रस्तुतियों से भारतीय शास्त्रीय संगीत की समृद्ध परंपराए रागों की विशेषताओं तथा लय.ताल की बारीकियों को अत्यंत सरल एवं रोचक ढंग से विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत किया। उनकी प्रस्तुति ने उपस्थित विद्यार्थियों शिक्षकों एवं अतिथियों को मंत्रमुग्ध कर दिया।इस अवसर पर विद्यालय के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों अजीत सिंह आनंद एवं शिवम अतुलकर ने तबला वादन तथा कृतिका महंत ने हारमोनियम पर संगत कर अपनी संगीत प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। उनकी प्रस्तुति को अतिथियों ने मुक्त कंठ से सराहा तथा विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। विद्यालय की प्राचार्य मोना चटर्जी राम सेवक शर्मा, प्राण कृष्ण सांई संगीत शिक्षक आनंद नामदेव वीणा पाणी संगीत संस्था संचालक एवं उपप्राचार्य लक्ष्मी पलोहिया की गरिमामयी उपस्थिति रही। अपने संबोधन में प्राचार्य मोना चटर्जी ने कहा कि स्पिक मैके जैसे आयोजन विद्यार्थियों को भारतीय कला संस्कृति एवं शास्त्रीय संगीत की समृद्ध विरासत से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं।

ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में सौंदर्यबोध अनुशासन संवेदनशीलता तथा भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति सम्मान की भावना विकसित करते हैं। संचालन विद्यालय की शिक्षिका अंजली पटेल ने अत्यंत प्रभावशाली ढंग से किया। आयोजन विद्यालय के संगीत शिक्षक विशाल सागर एवं अंजली वर्मा के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। समापन अवसर पर सभी विशिष्ट अतिथियों एवं कलाकारों का विद्यालय परिवार की ओर से स्मृति.चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया तथा आभार व्यक्त किया गया। भारतीय शास्त्रीय संगीत की मधुर स्वरलहरियों से सुसज्जित यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति संगीत एवं परंपराओं से जुड़ने का एक अविस्मरणीय अनुभव सिद्ध हुआ।

सनराइज़ स्कूल एवं आदर्श विद्यालय बालागंज में नैतिक शिक्षा व व्यसन मुक्ति कार्यशाला आयोजित

नर्मदापुरम(निप्र)। अखिल विश्व गायत्री परिवार नर्मदापुरम के तत्वावधान में सोमवार को सनराइज़ स्कूल बालागंज एवं आदर्श प्राथमिक माध्यमिक विद्यालय बालागंज नर्मदापुरम में नैतिक शिक्षा एवं व्यसन मुक्ति कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में गायत्री परिवार के यूके सिंह ने विद्यार्थियों को नैतिक मूल्यों संस्कारों एवं चरित्र निर्माण के महत्व पर प्रेरक उद्बोधन दिया। श्री सिंह ने युवाओं से नशे और अन्य व्यसनों से दूर रहने का आह्वान करते हुए बताया कि नशा व्यक्तिए परिवार और समाज तीनों के लिए घातक है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने मातापिता एवं गुरुजनों का सम्मान करने तथा राष्ट्र निर्माण में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया। विद्यालय परिवार ने गायत्री परिवार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार की जागरूकता कार्यशालाएँ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम में स्कूल के शिक्षकों एवं छात्र छात्राओं की भागीदारी रही।

किसान भाई 31 जुलाई तक करें फसल बीमा के लिए आवेदन

फसल बीमा एवं खाद वितरण की ई-टोकन प्रणाली पर कृषकों को किया गया जागरूक

नर्मदापुरम(निप्र)। ग्राम पंचायत जमानी में सोमवार को कृषकों के लिए फसल बीमा योजना एवं खाद वितरण की ई-टोकन प्रणाली के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बीमा कंपनी के प्रतिनिधि, कृषि विस्तार अधिकारी, समिति के सदस्य तथा बड़ी संख्या में स्थानीय कृषक उपस्थित रहे।कार्यक्रम में बीमा कंपनी के प्रतिनिधि ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की जानकारी देते हुए बताया कि ऋणी एवं अऋणी दोनों प्रकार के किसान फसल बीमा का लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे 31 जुलाई तक निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपना आवेदन अवश्य करें। उन्होंने बताया कि अऋणी किसान कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) अथवा क्रॉप इंश्योरेंस मोबाइल एप के माध्यम से आसानी से फसल बीमा के लिए आवेदन कर सकते हैं। इस अवसर पर कृषि विस्तार अधिकारी ने किसानों को खाद वितरण की ई-टोकन प्रणाली की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यह व्यवस्था खाद वितरण प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, व्यवस्थित एवं सुगम बनाने के उद्देश्य से लागू की गई है।

प्रशिक्षित बेरोजगार युवाओं को मिलेगा रोजगार का अवसर

नर्मदापुरम(निप्र)। जिले के प्रशिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एसआईएस सिक्योरिटी इंडिया लिमिटेड, सिंगरौली द्वारा जिले के सभी विकासखंडों में रोजगार शिविर आयोजित किए जाएंगे। इस संबंध में जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन द्वारा सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। जारी कार्यक्रम के अनुसार 30 जुलाई को माखननगर, 31 जुलाई को सोहागपुर, 3 अगस्त को पिपरिया, 4 अगस्त को बनखेड़ी, 5 अगस्त को सिवनी मालवा, 6 अगस्त को केसला तथा 7 अगस्त को नर्मदापुरम जनपद पंचायत में रोजगार शिविर आयोजित होंगे।जिला पंचायत ने संबंधित अधिकारियों को शिविरों के सफल आयोजन हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं, ताकि अधिक से अधिक पात्र एवं प्रशिक्षित युवा इन शिविरों का लाभ उठाकर रोजगार प्राप्त कर सकें।

जिले में रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन के खिलाफ कार्यवाही लगातार जारी, 02 पनडुब्बियां की गई जप्त

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर नर्मदापुरम सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में 26 जुलाई 2026 को तहसील सिवनी मालवा के ग्राम बाबरी और पथाडा में संयुक्त जांच दल ने कार्रवाई की।जांच के दौरान दोनों गांवों में रेत का अवैध उत्खनन करते 02 पनडुब्बियों को जप्त कर लिया गया। जप्त पनडुब्बियों को पुलिस अभिरक्षा में सिवनी मालवा थाने में सुरक्षित रखा गया है। खनिज विभाग के अधिकारियों ने बताया कि संबंधित अवैध उत्खनकर्ताओं के खिलाफ मध्य प्रदेश खनिज (अवैध उत्खन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।कार्रवाई में कृष्णकांत परस्ते, प्रमुख खनिज निरीक्षक, हेमंतराज, खनिज सिपाही और पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा।

सोहागपुर के ग्राम सेमरी हरचंद में गूंजा नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 का संदेश

नर्मदापुरम(निप्र)। मध्यप्रदेश शासन द्वारा चलाए जा रहे नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 जनजागरूकता अभियान के तहत विकासखंड सोहागपुर के ग्राम सेमरी हरचंद में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कलेक्टर सोमेश मिश्रा और पुलिस अधीक्षक साईं कृष्णा के मार्गदर्शन तथा जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों, युवाओं और ग्रामीणजनों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत गांव में मानव श्रृंखला बनाकर की गई। इसके बाद जागरूकता रैली गांव के मुख्य मार्गों से निकाली गई। कार्यक्रम के दौरान थाना प्रभारी विवेक यादव ने उपस्थित सभी लोगों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। उन्होंने नशे के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक दुष्परिणामों की विस्तार से जानकारी दी।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा "शिवरानी भवन", क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित।
स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com